**Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP**

# FONT

**(Systemic & Contact Fungicide)**

Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP is a systemic & Contact fungicide effective for the control of downy mildew disease of grapes and cucumber and late blight disease of potato and tomato crops.

**Recommendations:**

| Crops(s) | Common Name of disease | Dosage/HA | | Dilution in water (Ltr) | Waiting period between last spray to harvest(Days) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | AI (g) | Formulation (g) | | |
| Grapes | Downy mildew | 1440 | 2000 | 500 | 10 |
| Potato | Late Blight | 1080 | 1500 | 500 | 10 |
| Cucumber | Downy mildew | 1080 | 1500 | 500-600 | 10 |
| Tomato | Late Blight | 1080 | 1500 | 500 | 10 |

**Direction of use:**

Plant protection equipment to be used : Recommendation for use as foliar spray using high volume spraying equipment such as Knapsack sprayer, rocking sprayer etc. 1. Completely drain equipment immediately after application. 2. Thoroughly rinse sprayer and flush the hoes, boom and nozzles with clean water. 3. Loosen and physically remove visible deposits. 4. Flush the entire system with clean water. 5. Do not clean near wells, water sources.

**Compatibility:**

Cymoxanil 8% + Mancozeb 64%WP is a compatible with commonly used insecticides and fungicides. Do not mix with products of alkaline nature.

**Time of Application:**

Cymoxanil 8% + Mancozeb 64 % WP should applied preventively to be repeated at 10-14 days interval depending on prevailing weather condition and disease pressure.

**Precaution:**

1. Read and follow all instruction on the label and leaflet very carefully. Save the container with label to show to the physician in case of accidental poisoning. 2. Do not inhale the content. Wear rubber gloves, goggles, face mask and protective clothing, while handling. Avoid remaining in drift of spray by applying the fungicides with the wind. 3. Do not eat, drink, smoke or chew betel leaves while spraying. 4. When spraying take care of spraying drift. Do not spray if windy condition exist. 5. Do not fill the spray tank beyond three-fourth of its capacity. Clean the blocked nozzles by a thin wire or pin and never by blowing the same. 6. In case of any spillage on the body it should be washed with plenty of water. 7. Keep and wash personal protective equipment separately from other laundry. 8. Always change clothing and take a bath as soon as fungicidal treatment is completed. 9. Call a physician immediately if any symptoms of poisoning appear in a person who is using or has recently used the fungicides.

**Symptoms of poisoning:**

1. Ingestion of the material may cause temporary central nervous system depression with dizziness, confusion, in coordination, drowsiness of unconsciousness and weight loss. Nervous system depression with dizziness, confusion, incoordination, drowsiness of unconsciousness and weight loss. 2. Inhalation or eye contact may cause eye irritation with discomfort, tearing, pain or blurred vision, irritation of the nose and throat with sneezing, sore throat or running nose and incoordination. 3. Skin contact may cause irritation with itching, burning, redness ,swelling, discomfort or rash.

**First Aid :**

1. In case of contact with eyes, immediately flush with plenty of water for at least 15 minutes. Call a physician. 2. If inhaled, remove to fresh air. If not breathing,give artificial respiration. If breathing difficult, give oxygen. Call physician. 3. If swallowed, immediately give 1 to 2 glasses of water and induct vomiting. Never give anything by mouth to an unconscious person. Call physician. 4. If on skin wash with plenty of soap and water. Wash contaminated clothing before reuse.

**Phytotoxicity:**

Cymoxanil 8% + Mancozeb 64% WP is not Phytotoxicity if used as per recommendation.

**Antidote:**

No specific antidote available, treat symptomatically.

**Disposal of used container:**

1. Empty container should not be re-used. 2. Destroy the empty container after use and burry them half meter deep in soil always away from habitation. 3. Surplus spray material of washing from machines and container should be disposed off in safe manner so as to prevent environment and water pollution.

**Storage Conditions:**

1. Do not store or consume food , drink or tobacco in area where they become contaminated with this material. 2. Store the fungicides in its original pack tightly closed away from the reach of children, irresponsible persons and live stocks in a separate rooms, away from the rooms used for storing food stuffs, animals feeds and other articles, under lock and key. 3. The rooms or premises meant for storing shall be well built, cool, dry, well lit and ventilated and should be of sufficient dimensions to avoid contamination with vapour. 4. Transport the fungicides in such a manner so as not to come in contact with food stuff and animals feed.

**Chemical Composition:**

| | |
|---|---|
| Cymoxanil (a.i) | 8.00 % w/w |
| Mancozeb (a.i) | 64.00 % w/w |
| Dispersing Agent : Sodium Lignosulphonate | 6.90 % w/w |
| Wetting Agent : Sodium dodecylbenzene sulphonate | 1.40 % w/w |
| Wetting Agent - Alkylated napthalene sulfonate | 1.10 % w/w |
| Diluent- Zinc sulphate , monohydrate | 3.00 % w/w |
| Stabilizer-Hexamethylene tretramine | 1.70 % w/w |
| Diluent - Sugar - Sucros | Q.S. % w/w |
| **Total** | **100.00 % w/w** |

**CAUTION : Not to be used on crops other than specified on this leaflet**

**Manufactured by : NACL Industries Limited**

**Regd.Off.:** Plot No.12-A, 'C' Block, Lakshmi Towers,
Nagarjuna Hills, Panjagutta,Hyderabad - 500 082, Telangana, India.
**Factory:** Ethakota-533 238, E.G. Dist., A.P.

**साईमोक्सैनिल 8%+ मैंकोज़ेब 64% डब्ल्यूपी**

# फोंट

**(अंर्तप्रवाही एवं संपर्क फफूंदीनाशक)**

साईमोक्सैनिल 8% + मैंकोज़ेब 64% डब्ल्यूपी अंगूर और ककड़ी की फसल में मृदुरोमिल ऑसिता तथा आलू और टमाटर में पछेती अंगमारी पर असरदार नियंत्रण के लिये एक अंर्तप्रवाही एवं संपर्क फफूंदीनाशक है.

**सुझाव :**

| फसल | बीमारी का नाम | मात्रा/प्रति हेक्टेयर | | घोल के लिए पानी (लीटर) | अंतिम छिड़काव एवं कटाई में अंतर (दिन) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | सक्रिय तत्व(ग्रा) | संरचना (ग्रा) | | |
| अंगूर | मृदुरोमिल ऑसिता | 1440 | 2000 | 500 | 10 |
| आलू | पछेती अंगमारी | 1080 | 1500 | 500 | 10 |
| खीरा | मृदुरोमिल ऑसिता | 1080 | 1500 | 500–600 | 10 |
| टमाटर | पछेती अंगमारी | 1080 | 1500 | 500 | 10 |

**उपयोग के लिए निर्देश :**

पौध सुरक्षा छिड़काव यंत्र : उच्च आयतन छिड़काव यंत्रों, जैसे पीठ पर लादकर चलाने वाला छिड़काव यंत्र, राकिंग छिड़काव यंत्र आदि से फसल पर पर्णीय छिड़काव द्वारा प्रयोग करें। 1. इस्तेमाल के तुरंत बाद पूरी तरह बहा दें। 2. स्प्रेयर को अच्छी तरह खंगालें और नली, बूम और नॉज़ल्स को साफ पानी से अच्छी तरह धोयें। 3. दिखाई देने वाली परतों को खुरच कर निकाल दें. 4. पूरी प्रणाली को साफ़ पानी से धोयें. 5. कुंओं, पानी के स्रोतों के पास साफ़ न करें।

**अनुकूलता :**

साईमोक्सैनिल 8% + मैंकोज़ेब 64% घुलनशील चूर्ण सामान्यतः इस्तेमाल के कीटनाशकों, फफूंदीनाशकों एवं खाद के साथ प्रयोग के लिए अनुकूल है। फफूंदीनाशक को किसी भी क्षारीय पदार्थ के साथ न मिलाएं। खीरे की फसल में सामान्यतः इस्तेमाल के कीटनाशक एवं खाद के साथ प्रयोग के लिए सिफारिश नहीं की जाती है।

**उपयोग का समय :**

साईमोक्सैनिल 8% + मैंकोज़ेब 64% घुलनशील चूर्ण का मौसम की स्थिति व रोग के दबाव के अनुसार, 10–14 दिन के अंतराल पर निरोधी छिड़काव करें।

**सावधानियां :**

1. लेबल व जानकारी प्रपत्र में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें व पालन करें। आकस्मिक विष प्रभाव होने पर फफूंदीनाशक का डिब्बा तथा सूचना प्रपत्र डॉक्टर को दिखाने के लिए संभाल कर रखें। 2. फफूंदीनाशक को सूंघे नहीं। प्रयोग करते समय दस्ताने, चश्मा, मुखौटा पहनें और रक्षात्मक वस्त्रों का प्रयोग करें। 3. फफूंदीनाशक का प्रयोग करते समय न कुछ खायें, पियें, न धूम्रपान करें और न ही पान चबाएं। 4. छिड़काव टंकी को उसकी क्षमता के 3/4 हिस्से तक ही भरें। छिड़काव उपकरणों की टोंटी बंद हो जाने पर उसे मुँह से हवा देकर खोलने के बजाए तार या पिन से साफ करें। 5. शरीर के किसी भाग पर गिर जाये तो काफी मात्रा में पानी से साफ करें। 6. छिड़काव के समय इस्तेमाल किये गये वस्त्रों आदि को घरेलू इस्तेमाल वाले वस्त्रों से अलग धोयें। 7. हमेशा छिड़काव के तुरंत बाद वस्त्र बदलें तथा स्नान करें। 8. फफूंदीनाशक का प्रयोग करते समय या तुरंत बाद किसी व्यक्ति में विष प्रभाव के लक्षण दिखाई दे तो तुरंत डॉक्टर को बुलायें।

**ज़हर लगने के लक्षण :**

1. पदार्थ अंदर जाने पर चक्कर, भ्रम, असमन्वय, सुस्ती या बेहोशी और वज़न में कमी के साथ केंद्रीय तंत्रिका प्रणाली में अस्थायी तनाव पैदा कर सकता है। 2. साँस द्वारा अंदर जाने या आँखों से संपर्क होने पर आँख से आँसुओं के कारण देखने में तकलीफ या धुंधली दृष्टि, छींक के साथ नाक और गले में जलन, खराब गले या बहती नाक या असमन्वय जैसी समस्याएं हो सकती हैं। 3. त्वचा से संपर्क होने पर खाज, जलन, लाली, सूजन, तकलीफ या फुंसियों के साथ खुजली हो सकती है।

**प्राथमिक चिकित्सा :**

1. आँखों से संपर्क होने पर, कम से कम 15 मिनट के लिये आँखों को ढेर सारे पानी से धोयें. तुरंत चिकित्सक को बुलाएं। 2. साँस द्वारा अंदर ले लेने की स्थिति में ताज़ी हवा में ले जायें, साँस न ले पाने पर कृत्रिम श्वसन दें. साँस लेने में तकलीफ हो, तो ऑक्सीजन दें. डॉक्टर को कॉल करें। 3. निगल लिये जाने पर, तुरंत 1 से 2 ग्लास पानी दें और उल्टी करायें। किसी बेहोश व्यक्ति को कुछ भी मुंह से न दें। तुरंत चिकित्सक को बुलाएं। 4. त्वचा से संपर्क होने पर ढेर सारे साबुन और पानी से धोयें। दुबारा इस्तेमाल से पहले गंदे कपड़ों को धो लें।

**पौध विषाक्तता :**

साईमोक्सैनिल 8% + मैंकोज़ेब 64% घुलनशील चूर्ण निर्देशानुसार प्रयोग किये जाने पर फसलों पर विषैला प्रभाव नहीं करता है।

**विषनाशक :**

कोई खास प्रतिरोधक उपलब्ध नहीं है, लक्षणों के आधार पर उपचार करें।

**खाली डिब्बों का निपटारा :**

1. खाली डिब्बे दोबारा उपयोग में न लायें। 2. उपयोग के बाद खाली डिब्बों को तोड़ कर आबादी से दूर 1/2 मीटर गहरे गड्डे में दफना करें। 3. बचा हुआ फफूंदीनाशक अथवा छिड़काव यंत्र की सफाई का धोवन तथा डिब्बा भली भांति निपटायें जिससे किसी प्रकार का जल अथवा पर्यावरण दूषित न हो।

**भंडारण :**

1. खाद्य व पेय पदार्थों तथा तम्बाकू को ऐसे स्थान पर भण्डारित न करें जहाँ वे विष द्वारा दूषित हो सकते हों। 2. फफूंदीनाशक को मुख्य डिब्बे में कस कर बंद कर एक अलग कमरे में, जो खाद्य पदार्थों, पशु आहार तथा अन्य पदार्थो के भण्डारण वाले कमरों से दूर हों ताले के अंदर एवं बच्चों व गैर जिम्मेदार व्यक्तियों तथा पशुओं की पहुंच से दूर रखें। 3. कमरा या गोदाम जहाँ फफूंदीनाशक रखा जाये अच्छा बना हुआ, ठंठा, सूखा, प्रकाशमय व हवादार होना चाहिए जिससे सांस द्वारा प्रभाव न हो। 4. फफूंदीनाशक का परिवहन इस प्रकार करें कि खाद्य पदार्थ तथा पशु आहार के संपर्क में न जाये।

**रासायनिक संरचना:**

| | |
|---|---|
| साईमोक्सैनिल (स.त.) | 8.00% भार/भार |
| मैंकोज़ेब (स.त.) | 64.00% भार/भार |
| डिस्पर्सिंग एजेंट: सोडियम लिग्नोसल्फोनेट | 6.90% भार/भार |
| वेटिंग एजेंट: सोडियम डोडिसाइलबेन्ज़ीन सल्फोनेट | 1.40% भार/भार |
| वेटिंग एजेंट – अल्काइलेटेड नैप्थलीन सल्फोनेट | 1.10% भार/भार |
| मंदक – ज़िंक सल्फेट, मोनोहाइड्रेट | 3.00% भार/भार |
| स्टैबिलाइज़र – हेक्सामेथिलीन टेट्रामाइन | 1.70% भार/भार |
| मंदक – चीनी – सुक्रोज़ | पर्याप्त परिणाम बनाने के लिए % भार/भार |
| **कुल:** | **100.00% भार/भार** |

**सावधान: इस निर्देश पत्रिका में निर्देशित ना किये गये फसलों पर इस्तेमाल ना करे.**

**उत्पादक: ऐन.ऐ.सी.एल. इंडस्ट्रीज लिमिटेड**

प्लाट नं. १२-ए, सी ब्लॉक, लक्ष्मी टॉवर्स,नागार्जुना हिल्स,
पंजागुट्टा, हैदराबाद-५०० ०८२, तेलंगाणा, भारत
**कर्मागार:** ईतकोटा-५३३ २३८, तु.गो. जिल्ला, आंध्रप्रदेश.

**सायमोक्सानिल 8% + मॅन्कोझेब 64% डब्ल्यूपी**

# फॉन्ट

**(आंतरप्रवाही आणि स्पर्शजन्य बुरशीनाशक)**

सायमोक्सानिल 8% + मॅन्कोझेब 64% डब्ल्यूपी हे आंतरप्रवाही आणि स्पर्शजन्य बुरशीनाशक असून त्याचा वापर द्राक्ष आणि काकडी ह्यांच्यावरील डाउनी मिलड्यू आजाराच्या नियंत्रणासाठी तसेच बटाटे आणि टोमॅटो पिकांवरील लेट ब्लाइट आजाराच्या नियंत्रणासाठी वापरण्यात येते.

**शिफारशी :**

| पिकं | रोग | प्रमाण/हेक्टर | | पाण्याचे मिश्रण (लिटर) | शेवटच्या फवारणीपासून सुगीच्या हंगामापर्यंतचा कालावधी (दिवस) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ए. आय. (ग्रॅ.) | फॉर्म्युलेशन (ग्रॅ.) | | |
| द्राक्षे | डाऊनी मिल्ड्यू | 1440 | 2000 | 500 | 10 |
| बटाटे | लेट ब्लाइट | 1080 | 1500 | 500 | 10 |
| काकडी | डाऊनी मिल्ड्यू | 1080 | 1500 | 500–600 | 10 |
| टोमॅटो | लेट ब्लाइट | 1080 | 1500 | 500 | 10 |

**वापराची निर्देशने :** वनस्पती संरक्षक उपकरणं : नॅपसॅक स्प्रेअर, रॉकिंग स्प्रेअर, इत्यादींसारख्या जास्त प्रमाणात फवारणी करणाऱ्या उपकरणांनी पानांवर फवारणीची शिफारस वरील प्रमाणे केली जाते.1. वापरानंतर ताबोडतोब उपकरण कोरडे करून घ्या. 2. स्वच्छ पाण्याच्या साहाय्याने स्प्रेयर व्यवस्थित धुऊन घ्या आणि पाण्याच्या झोतासह होजेस, बुम आणि नोझल्स स्वच्छ करून घ्या. 3. दृश्यनीय गाळाचा थर सुटा करा आणि तो दूर करा. 4. स्वच्छ पाण्याच्या साहाय्याने संपूर्ण प्रणाली धुऊन काढा. 5. विहीरी, जलस्रोत ह्या ठिकाणी स्वच्छ करू नका.

**कम्पॅटिबिलिटी :**

सायमोक्सानिल 8% + मॅन्कोझेब 64% डब्ल्यूपी सामान्य कीटकनाशक आणि बुरशीनाशकांबरोबर वापरता येतं. अल्कलाइन स्वरूपाच्या उत्पादनांशी मिसळू नये.

**वापराची वेळ :**

सायमोक्सानिल 8% + मॅन्कोझेब 64% डब्ल्यूपी प्रतिबंध म्हणून, हवामानाची व रोगाच्या गंभीरपणानुसार 10–14 दिवसांच्या अंतराने वरचेवर फयारावे.

**सावधगिरी:**

1. लेबल व पत्रकातील सर्व सूचना अतिशय काळजीपूर्वक वाचा व पालन करा. लेबलयुक्त पुडा किंवा डबा, चुकून विषबाधा झाल्यास डॉक्टरना दाखवण्यासाठी ठेवा. 2. बुरशीनाशकाचा वास घेऊ नका. हाताळताना हातमोजे, गॉगल्स, चेहऱ्याचा मास्क व सुरक्षात्मक कपडे घाला. वाऱ्याच्या दिशेनं बुरशीनाशक फवारून त्याच्या झोतात येणं टाळा. 3. फवारताना खाणं, पिणं, धूम्रपान, तंबाखू खाणं टाळा. 4. फवारताना फवाऱ्याच्या झोताची काळजी घ्या. फारवारा असल्यास फवारू नका. 5. स्प्रे टाकी क्षमतेच्या 3/4 पेक्षा जास्त भरू नका. चोंदलेली तोटी बारीक तार किंवा पिननं स्वच्छ करा, फुंकून कधीही स्वच्छ करू नये. 6. शरीरावर पडल्यास भरपूर पाण्यानं स्वच्छ धुवा. 7. स्वच:चे सुरक्षात्मक कपडे व उपकरणं इतर कपड्यांपेक्षा वेगळी धुवा. 8. फवारणी संपल्यावर लगेचच स्नान करा व कपडे बदला. 9. बुरशीनाशक वापरणाऱ्या किंवा नुकतंच वापरलेल्या व्यक्तीला विषबाधेची लक्षणं दिसल्यास ताबडतोब डॉक्टरना बोलवा.

**विषबाधेची लक्षणे :**

1. सामग्री ग्रहण केल्याने भोवळ येणे, संभ्रमावस्था ह्यांसह मध्यवर्ती मज्जासंस्थेचे नैराश्य, सोबत, झोपेची गुंगी येणे आणि वजन कमी होणे. 2. अंतःश्वसन केल्याने किंवा डोळ्यांशी संपर्क आल्याने अश्रूंसह वेदना होणे किंवा दृष्टी धुसर होणे ह्यांसह डोळ्यांची जळजळ होऊ शकते, शिंक येण्यासह नाकाची आणि घशाची जळजळ होणे, सोबत घसा दुखणे किंवा नाक वाहणे अशा घटना उद्‌भवू शकतात. 3. त्वचेशी संपर्क आल्याने, खाज येणे, जळजळ होणे, लालसरपणा, सूज, अस्वस्थता किंवा पूरळ येणे अशा घटना उद्‌भवू शकतात.

**प्रथमोपचार :**

1. डोळ्यांशी संपर्क झाल्यास, त्वरित स्वच्छ पाण्याच्या साहाय्याने किमान 15 मिनिटे डोळे धुवा. फिजिशियनशी संपर्क साधा. 2. अंतःश्वसन करण्यात आल्यास, रुग्णाला ताज्या हवेमध्ये घेऊन जा, श्वासोच्छ्वास करत नसल्यास, कृत्रिम श्वसन प्रदान करा. श्वास घेण्यास त्रास होत असल्यास, ऑक्सिजनचा पुरवठा करा. फिजिशियनशी संपर्क साधा. 3. गिळल्यास, त्वरित 1 ते 2 ग्लास पाणी द्या आणि उलटी येण्यास प्रवृत्त करा. बेशुद्ध व्यक्तीला कधीही काहीही खायला देऊ नका. फिजिशियनशी संपर्क साधा. 4. त्वचेशी संपर्क आल्यास, भरपूर साबणाच्या आणि पाण्याच्या साहाय्याने धुऊन घ्या. संदुषित कपड्यांचा पुन्हा वापर करण्यापूर्वी ते धुऊन घ्या.

**वनस्पती विषकारकता :**

सायमोक्सानिल 8% + मॅन्कोझेब 64% डब्ल्यूपी शिफारसींनुसार वापरल्यास विषारी नाही.

**उतारा :**

कोणतीही विशिष्ट उतारा उपलब्ध नाही, लक्षणांनुसार उपचार करा.

**डबे–पुडे यांची विल्हेवाट :**

1. रिकामे डबे–पुडे पुन्हा वापरू नयेत. 2. वापरानंतर रिकामे डबे–पुडे वस्तीपासून दूर नष्ट करून जमिनीत 1/2 मीटर खोल पुरावे. 3. शिल्लक राहिलेलं फवारणी द्रव किंवा मशीन्स–डबे धुतलेलं पाणी पर्यावरण किंवा जल प्रदूषण होणार नाही अशाप्रकारे निकालात काढावं.

**साठवण :**

1. या बुरशीनाशकामुळे दूषित होण्याची शक्यता असलेल्या जागी अन्न, पाणी किंवा तंबाखू यांचं सेवन करू नका किंवा साठवूही नका. 2. बूरशीनाशक मूळ पॅकमध्ये घट्ट बंद करून, मुलं, बेजबाबदार लोक आणि पशुधन यांच्यापासून वेगळ्या खोलीत, तसंच अन्न, वैरण व इतर वस्तूंच्या साठवणीच्या खोल्यांपासून दूर, कुलुप लाऊन ठेवा. 3. साठवणीची खोली किंवा जागा पक्की, गार, कोरडी, उजेडाची, हवेशीर व ऐसपैस असावी म्हणजे वाफांमुळे दूषण टाळलं जाईल. 4. बुरशीनाशक ने–आण करताना खाद्यपदार्थ व संपर्कात येऊ देऊ नका.

**रासायनिक रचना:**

| | |
|---|---|
| सायमोक्सानिल (ए. आय.) | 8.00% व/व |
| मॅन्कोझेब (ए. आय.) | 64.00% व/व |
| डिस्पर्सिंग एजन्ट: सोडियम लिग्नोसल्फोनेट | 6.90% व/व |
| वेटिंग एजन्ट: सोडियम डोडेसिलबेन्झीन सल्फोनेट | 1.40% व/व |
| वेटिंग एजन्ट– ॲल्किलेटेड नॅफ्थॅलीन सल्फोनेट | 1.10% व/व |
| डायल्युएन्ट–झिंक सल्फोनेट, मोनोहायड्रेट | 3.00% व/व |
| स्टॅबिलायझर–हॅक्सेमेथिलीन ट्रेट्रामाइन | 1.70% व/व |
| डायल्युएन्ट–शर्करा–सुक्रोज | पूरक प्रमाण बनविण्यासाठी % व/व |
| **एकूण:** | **100.00% व/व** |

**सावधगिरी : ह्या पुस्तिकेवर निर्देशित पिका व्यतिरिक्त इतर पिकांवर वापरू नये.**

**निर्माते : एन.ए.सी.एल इंडस्ट्रीज लिमिटेड**

प्लॉट क्र. 12–ए, 'सी'– ब्लॉक, लक्ष्मी टॉवर्स,
नागार्जुना हिल्स, पंजागुट्टा, हैद्राबाद–500 082, तेलंगाणा, भारत
**कारखाना :** एथाकोटा – 533 238,ईस्ट गोदावरी जिल्हा. आंध्रप्रदेश

**સાયમોક્ઝેનિલ 8% + મૅન્કોઝેબ 64% ડબ્લ્યુપી**

# ફૉન્ટ

**(આંતરપ્રવાહી અને સંપર્ક ફુગનાશક)**

સાયમોક્ઝેનિલ 8% + મૅન્કોઝેબ 64% ડબ્લ્યુપી એક આંતરપ્રવાહી સમ્પર્ક, ફુગનાશક છે જે દ્રાક્ષ અને કાકડી પર ડાઉની માઇલ્ડ્યૂ એટલે કે ફુકનો રોગ અને બટેટાં તથા ટામેટાના પાક પર મોડેથી થતા ફુગના રોગ લેટ બ્લાઇટ પર અસરકારક નિયંત્રણ કરે છે.

**ભલામણ :**

| પાક | રોગના નામ | માત્રા/હેક્ટર | | પાણીમાં મંદતા (લિટર) | છેલ્લા છંટકાવથી કાપણી સુધી રાહ જોવાનો ગાળો (દિવસોમાં) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | સક્રિય તત્ત્વ(ગ્રા.) | બંધારણ (ગ્રા.) | | |
| દ્રાક્ષ | તળછારો | 1440 | 2000 | 500 | 10 |
| બટાટા | પાછતરો સુકારો | 1080 | 1500 | 500 | 10 |
| કાકડી | તળછારો | 1080 | 1500 | 500-600 | 10 |
| ટામેટા | પાછતરો સુકારો | 1080 | 1500 | 500 | 10 |

**કઇ રીતે ઉપયોગ કરવો :**

પાકના રક્ષણ માટે ઉપયોગમાં લેવાનું ઉપકરણ : હાય વૉલ્યુમ સ્પ્રે ઉપકરણો જેવાં કે નૅપસેક સ્પ્રેયર, રૉકિંગ સ્પ્રેયર વગેરેને ઉપર જણાવ્યા મુજબ પાંદડા પર છંટકાવ કરવા ઉપયોગમાં લેવું. 1. ઉપયોગ પછી તરત જ ઉપકરણ પૂરેપુરૂં ધોઈ નાખો. 2. સ્પ્રેયરને ત્રણ વાર ખંખાળો, સ્પ્રેયર અને ફ્લશ હોઝીસ, બૂમ અને નોઝલ, ચોક્ખા પાણી થી સાફ કરો. 3. આંખે દેખાતા અવશેષો કાઢી દૂર કરો. 4. સમગ્રા ઉપકરણ સ્વચ્છ પાણીથી ધુઓ. 5. પાણીના હવા, સ્રોતોની નજીક ના ધુઓ.

**એકરૂપતા :**

સાયમોક્ઝેનિલ 8% + મૅન્કોઝેબ 64% ડબ્લ્યુપી બીજા સામાન્ય પણે વપરાશમાં આવતાં જંતુનાશક અને ફુગનાશકને સાનુકૂલ છે. ક્ષારવાળી પ્રકૃતિ ધરાવતા પ્રોડક્ટસ સાથે તેને મેળવળો નહી.

**છંટકાવનો સમય :**

સાયમોક્ઝેનિલ 8% + મૅન્કોઝેબ 64% ડબ્લ્યુપી હવામાનની પરિસ્થિતિ અને રોગના દબાણને ધ્યાનમાં લઇ 10-14 દિવસના અંતરે વારંવાર અટકાયતી પગલાં તરીકે વાપરી શકાય.

**સાવચેતી :**

1. લેબલ અને ચોપાનિયા પરની તમામ માહિતી ખૂબ કાળજીપૂર્વક વાંચો. લેબલ સહિત કન્ટેનર સાચવીને રાખો જેથી અકસ્માત ઝેર ચડયાના સંજોગોમાં ફિઝિશિયનને બતાવી શકાય. 2. સામગ્રી સૂંઘો નહિ. એને ઉપયોગમાં લેતાં રબરના મોજા, ગોગલ્સ, મહોરૂ અને રક્ષણાત્મક કપડાં જરૂર પહેરો. ફુગનાશકનો છંટકાવ તમારી ઉપર ના પડે એમ પવનની દિશામાં જ નાખો. 3. છંટકાવ દરમિયાન ખાવા, પીવા, ધૂમ્રપાન કે પાન ખાવાનું ટાળો. 4. છંટકાવ દરમિયાન છંટકાવ વધુ પ્રમાણમાં ફેલાઇ ના જાય તે જુઓ. ખૂબ પવન હોય તો છંટકાવ ન કરો. 5. છંટકાવ ટેંકમાં માત્ર તેની ક્ષમતાના પોણા ભાગનું મિશ્રણ ભરો. પાતળા વાયર અથવા પિન દ્વારા નોઝલમાં કંઇ ભરાયું હોય તો સાફ કરો. એમાં ક્યારેય ફૂંક મારીને સાફ ના કરો. 6. શરીર પર જરા પણ છંટકાવનું દ્રાવણ પડ્યુ હોય તો પુષ્કળ પાણીથી ધુઓ. 7. અંગત રક્ષણાત્મક ઉપકરણો અન્ય ધોવાના કપડાંથી અલગ ધુઓ. 8. ફુગનાશકની કામગીરી પતી જાય કે તરત જ હંમેશાં કપડાં બદલો અને સ્નાન કરો. 9. ફૂગનાશક વાપરતાં અથવા એના પહેલા આને કારણે કોઇ ઝેરનું લક્ષણ જણાય તો તરત જ ફિઝિશિયનને બોલાવો.

**ઝેરના લક્ષણો :**

1. આ પદાર્થ શરીરમાં જાય તો હંગામી મધ્યસ્થ ચેતાતંત્રમાં ચક્કર, મૂંઝવણ, સંકલનનો અભાવ, ઊંઘ આવવી અથવા બેભાન થવું અને વજન ગુમાવવા સાથે ભાવ શૂન્યતા આવે. 2. શ્વાસમાં જાય અથવા આંખોનો સંપર્ક આંખમાં ખંજવાળ લાવે, અસુખ લાગે, આંસુ વહે, દુખે અથવા ઝાંખુ દેખાય, નાકમાં અને ગળામાં ચળ આવે, છીંકો આવે, ગળામાં સોજો આવે, નાકમાંથી પાણી ગળે અને પ્રતિભાવ ઘટે. 3. ચામડીના સંપર્કમાં આવે તો ખંજવાળ, જલન, લાલાશ, સોજો, અસુખ અથવા રેશ સાથે ખંજવાળ આવે.

**પ્રાથમિક ઉપચાર :**

1. આંખમાં સંપર્કમાં આવ્યું હોય તો તરત જ પુષ્કળ પાણી લઇ આંખ ધુઓ - લગભગ 15 મિનિટ સુધી. ફિઝિશિયનને બોલાવો. 2. જો શ્વાસમાં ગયું હોય તો ખુલ્લી હવામાં ખસેડો. જો શ્વાસમાં રૂંધામણ થાય, તો કૃત્રિમ શ્વાસોચ્છવાસ કરાવો. શ્વાસમાં મુશ્કેલી હોય તો ઑક્સિજન આપો. ફિઝિશિયનને બોલાવો. 3. જો ગળાયું હોય તો તરત જ 1 થી 2 ગ્લાસ પાણી પીવડાવી ઊલટી કરાવો. બેભાન માણસને મોં વાટે કંઇ ના આપો. ડૉક્ટરને બોલાવો. 4. જો ચામડી પર પડ્યું હોય તો પુષ્કળ પાણી અને સાબુથી ધુઓ. દૂષિત કપડાં ફરી પહેરતાં પહેલાં ખૂબ પાણીથી ધુઓ.

**ફાયટોટૉક્સિસીટી :**

સાયમોક્ઝેનિલ 8% + મૅન્કોઝેબ 64% ડબ્લ્યુ.પી. ભલામણો મુજબ વાપરવામાં આવે તો ફાયટોટૉક્સિક નથી.

**પ્રતિઝેર :**

વિશેષ પ્રતિઝેર ઉપલબ્ધ નથી. લક્ષણાનુસાર સારવાર કરો.

**ડબ્બાને નિકાલ :**

1. ખાલી કરેલા ડબ્બા ફરીથી ઉપયોગમાં ના લેવા જોઇએ. 2. ઉપયોગ પછી ખાલી ડબ્બાનો નાશ કરો. અડધો મીટર ઊંડાઇએ જમીનમાં, વસાહતથી દૂર દાટો. 3. મશીન અને કન્ટેનરમાંના વધારાની છંટકાવ સામગ્રીનો સલામત રીતે નિકાલ કરવો જોઇએ કે જેથી તે પર્યાવરણ અને પાણીમાં પ્રદૂષણ અટકાવે.

**સંગ્રહની પરિસ્થિતિઓ :**

1. એ દૂષિત થાય એવી જગ્યાએ ના રાખો, ખોરાક, પીણા કે તમાકુ સાથે ના રાખો. 2. ફૂગનાશકને તેના મૂળ પેકમાં સખત રીતે બંધ કરીને રાખો. બાળકોની પહોંચથી દૂર રાખો. બેજવાબદાર લોકો અને ઢોર-ઢાંખરથી દૂર રાખો. ખાદ્ય પદાર્થો, પશુદાણ અને અન્ય ચીજવસ્તુઓથી દૂર તાળા-કૂચીમાં રાખો. 3. સંગ્રહ માટેના ઓરડા પાકા બાંધકામવાળા, ઠંડા, સૂકા, સુપ્રકાશિત, હવાની અવર-જવર વાળા અને દૂષિત વરાળથી છવાઇ ન જાય તેવા મોટા વિસ્તારના હોવા જોઇએ. 4. ફુગનાશકની હેરફેર એવી રીતે કરો કે ખાદ્ય પદાર્થો અને પશુદાણના સંસર્ગમાં ના આવે.

**રાસાયણિક બંધારણ :**

| | |
|---|---|
| સાયમોક્ઝેનિલ (એ.અઇ.) | 8.00% ભા/ભા |
| મૅન્કોઝેબ (એ.અઇ.) | 64.00% ભા/ભા |
| ડિસ્પેર્સિંગ એજન્ટ : સોડિયમ લિંગોસલ્ફોનેટ | 6.90% ભા/ભા |
| વેટિંગ એજન્ટ : સોડિયમ ડોડિસાઇલ બેન્ઝીન સલ્ફોનેટ | 1.40% ભા/ભા |
| વેટિંગ એજન્ટ : અલ્કાઇલેટેડ નેપ્થેલીન સલ્ફોનેટ | 1.10% ભા/ભા |
| ડાયલ્યૂવન્ટ : ઝિંક સલ્ફેટ, મોનોહાયડ્રેટ | 3.00% ભા/ભા |
| સ્ટેબિલાઇઝર : હેકઝામિથિલિન ટ્રેટ્રામાઇન | 1.70% ભા/ભા |
| ડાયલ્યૂવન્ટ : ખાંડ સુક્રોઝ | જરૂરી માત્રા બનાવવા % ભા/ભા |
| **કુલ :** | **100.00% ભા/ભા** |

**સાવચેતીઃ આ પરિપત્રમાં દર્શાવેલા હોય તે સિવાયની ફસલો પર વાપરવું નહીં.**

**નિર્માતા : એન.એ.સી.એલ. ઇન્ડસ્ટ્રીઝ લિમિટેડ**

પ્લૉટ નં. 12-એ, "સી" બ્લૉક, લક્ષ્મી ટાવર્સ,
નાગાર્જુના હિલ્સ, પંજાગુટ્ટા, હૈદરાબાદ- 500 082 તેલંગાણા, ભારત
**ફેક્ટરી :** એથાકોટા 533 238, ઈ. જી. ડિસ્ટ્રિક્ટ, આંધ્રપ્રદેશ, ભારત

**সাইমোক্সানিল 8% + ম্যানকোজেব 64% ডব্লিউপি**

# ফন্ট্

**(সিস্টেমিক ও সংযোগ ছত্রাকনাশক)**

সাইমোক্সানিল 8% + ম্যানকোজেব 64% ডব্লিউপি হচ্ছে এক সিস্টেমিক ও সংযোগ ছত্রাকনাশক যা আঙ্গুর ও শশার ক্ষয়কর ছত্রাক এবং আলু ও টমাটোর বিলম্বিত ক্ষয়রোগ নিয়ন্ত্রণের জন্য কার্যকর।

**সুপারিশসমূহ:**

| ফসল | রোগ | ডোজ / হেক্টার | | জলে গুলে নিতে হবে (লিটার) | শেষবার স্প্রে করার পর থেকে ফসল তোলা পর্যন্ত অপেক্ষার সময় (দিন) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | এ.আই. (গ্রা.) | মিশ্রণ (গ্রা.) | | |
| আঙ্গুর | ডাউনি মিলডিউ | 1440 | 2000 | 500 | 10 |
| আলু | লেট ব্লাইট | 1080 | 1500 | 500 | 10 |
| শশা | ডাউনি মিলডিউ | 1080 | 1500 | 500-600 | 10 |
| টমাটো | লেট ব্লাইট | 1080 | 1500 | 500 | 10 |

**ব্যবহারের নির্দেশ:**

1. প্রয়োগের অব্যবহিত পরে যন্ত্রপাতি সম্পূর্ণ খালি করুন। 2. স্প্রেয়ার ভালো ক'রে ধুয়ে ফেলুন এবং হোস, বুম আর নোজ্‌ল পরিষ্কার জল দিয়ে ফ্লাশ করুন। 3. ঢিলে ক'রে নিয়ে যে-সব জমা পদার্থ দেখা যায় তা সরিয়ে ফেলুন। 4. পরিষ্কার জল দিয়ে সম্পূর্ণ সিস্টেমটা ফ্লাশ করুন। 5. কুয়ো, জলের উৎসের কাছাকাছি জায়গায় পরিষ্কার করবেন না।

**সঙ্গতিপূর্ণ :**

সাইমোক্সানিল 8% + ম্যানকোজেব 64% ডব্লিউপি প্রায়শই ব্যবহৃত কীটনাশক ও ছত্রাকনাশক ওষুধের সঙ্গে মিশিয়ে ব্যবহার করা যায়। ক্ষার ধর্মীয় পদার্থের সঙ্গে মেলাবেন না। শশা-র ক্ষেত্রে আমরা অন্য সাধারণভাবে ব্যবহারযোগ্য কীটনাশক তথা ছত্রাকনাশকের সঙ্গে একে মেশাবার ব্যাপারে অনুমোদন করি না।

**ব্যবহারের সময় :**

সাইমোক্সানিল 8% + ম্যানকোজেব 64% ডব্লিউপি প্রয়োগ করা উচিত নিবারক হিসেবে 10 থেকে 14 দিন অন্তর। তবে তা নির্ভর করছে তৎকালীন আবহাওয়া এবং রোগের আক্রমণের তীব্রতার ওপর।

**সাবধানতা :**

1. লেবেল এবং লিফলেটে দেওয়া নির্দেশগুলি মনোযোগ দিয়ে পড়ুন এবং তা পালন করুন। পাত্রের লেবেল রেখে দিন যাতে দরকার হ'লে তা ডাক্তারকে দেখাতে পারেন। 2. ছত্রাকনাশক পদার্থ শুকবেন না। নাড়াচাড়া করার সময় বরারের দস্তানা, চশমা, মুখোশ বা মুখচোখের আবরণী এবং সুরক্ষামূলক পোষাক পরিচ্ছদ পরে নেবেন। 3. স্প্রে করার সময় কোন কিছু খাবেন না, জলপান করবেন না, ধূমপান করবেন না, বা খাবেন না। 4. স্প্রে করার সময় দেখে নেবেন হাওয়া কোন দিকে বইছে। হাওয়ার বিপরীত দিকে স্প্রে করবেন না। 5. স্প্রে ট্যাঙ্কে, তিন-চতুর্থাংশের বেশী ভরবেন না। নজ্‌ল বন্ধ হ'লেপাত্‌লা তার বা পিন দিয়ে পরিষ্কার ক'রে নেবেন। কখনও মুখ দিয়ে ফুঁ দিতে যাবেন না। 6. যদি ছল্‌কে গায়ে পড়ে তাহ'লে প্রচুর জল দিয়ে ধুয়ে নেবেন। 7. সুরক্ষামূলক ব্যক্তিগত পোষাক পরিচ্ছদ অন্যান্য জামাকাপড়ের সঙ্গে কাচবেন না। 8. ছত্রাকনাশক স্প্রে করার কাজ সম্পূর্ণ হবার পর অবশ্যই স্নান ক'রে জামা কাপড় বদলে নেবেন। 9. ছত্রাকনাশক ব্যবহাকারী ব্যক্তি অথবা সম্প্রতি যিনি ছত্রাকনাশক ব্যবহার করছেন, এমন ব্যক্তির মধ্যে যদি বিষ ক্রিয়ার লক্ষণ দেখেন তাহ'লে সঙ্গে ডাক্তার দেখান।

**বিষক্রিয়ার লক্ষণসমূহ:**

1. সামগ্রী পেটে চলে গেলে মাথা ঝিমঝিম, বিভ্রান্তি সহ সাময়িক কেন্দ্রীয় স্নায়ুতন্ত্রে অবসাদ, সেইসঙ্গে তন্দ্রাচ্ছন্নতা বা চেতনাহীনতা ও ওজন হ্রাস ঘটাতে পারে। 2. শ্বাসের সঙ্গে গেলে বা চোখের সংস্পর্শে এলে অস্বস্তি ও অশ্রুপূর্ণ বেদনা সহ চোখে জ্বালা বা অস্বচ্ছ দৃষ্টি, হাঁচি সহ নাক ও গলায় জ্বালা কিংবা নাক দিয়ে জল পড়া একসঙ্গে চলতে পারে। 3. ত্বকের সঙ্গে সংস্পর্শ হলে চুলকানি, জ্বলন, লালচেভাব, ফোলা, অস্বস্তি বা ফুসকুড়ি হতে পারে।

**প্রাথমিক চিকিৎসা:**

1. চোখের সঙ্গে সংস্পর্শের ক্ষেত্রে, কমপক্ষে 15 মিনিট ধরে প্রচুর জল দিয়ে তৎক্ষণাৎ ঝাপটা দিন। ডাক্তার ডাকুন। 2. শ্বাসের সঙ্গে ঢুকে গেলে, মুক্ত বায়ুতে সরিয়ে নিন, যদি শ্বাস নিতে না-পারে তাহলে কৃত্রিম রেসপিরেশন দিন। শ্বাসকষ্ট হলে, অক্সিজেন দিন। ডাক্তার ডাকুন। 3. গিলে ফেললে, তৎক্ষণাৎ 1 থেকে 2 গ্লাশ জল খাওয়ান এবং বমি করানোর চেষ্টা করুন। অচেতন ব্যক্তির মুখে কখনো কিছু ঢোকাবেন না। ডাক্তার ডাকুন। 4. ত্বকের ওপর পড়লে, প্রচুর সাবান-জল দিয়ে ধুয়ে ফেলুন। পুনরায় ব্যবহারের আগে দূষিত জামাকাপড় ধুয়ে নিন।

**ফাইটোটক্সিসিটি :**

সাইমোক্সানিল 8% + ম্যানকোজেব 64% ডব্লিউপি ফাইটোটক্সিসিটিক নয়, যদি তা সুপারিশ মাত্রা মত ব্যবহার করা হয়।

**প্রতিষেধক:**

কোনো নির্দিষ্ট প্রতিষেধক নেই, লক্ষণ অনুযায়ী চিকিৎসা করুন।

**পাত্র অপসারণ :**

1. খালি পাত্র পুনরায় ব্যবহার করবেন না। 2. খালি পাত্র ব্যবহারের পর নষ্ট ক'রে ফেলবেন। তারপর বসতি এলাকার বাইরে মাটির 1/2 মিটার গভীরে পুঁতে দেবেন। 3. বাড়তি স্প্রে সলুশন বা মেশিনপত্র ও পাত্র ধোয়া জল নিক্ষেপ করবেন খুব সাবধানে যাতে পরিবেশ এবং জল দুষণের কারণ না হয়।

**মজুত করণ :**

1. এই পদার্থ যেখানে মজুত করবেন তার ধারে কাছে খাদ্য দ্রব্য, পানীয় বা তামাক জাতীয় সামগ্রী রাখবেন না। এতে তা দূষিত হ'তে পারে। 2. এই ছত্রাকনাশক পদার্থ রাখবেন আলাদা ঘরে মূল প্যাকে শক্ত করে ঢাকনা দিয়ে, শিশু, দায়িত্বজ্ঞানহীন ব্যক্তি বা গবাদি পশু থেকে দূরে। যে ঘরে রাখবেন তা যেন খাদ্য দ্রব্য, পশুখাদ্য ও অন্যান্য জিনিষপত্র রাখার ঘর থেকে দূরে হয় এবং ঘরটি যেন তালা বন্ধ রাখা হয়। 3. যে ঘরে ছত্রাকনাশক রাখবেন তা যেন সুগঠিত, ঠাণ্ডা, শুষ্ক ও আলোবাতাস চলাচল করার মত সুপরিসরযুক্ত হয়, যাতে এর ভাপ ঘরের ভেতরে আবদ্ধ থাকতে না পারে। 4. ছত্রাকনাশক দ্রব্য আনা নেওয়া করার সময় অর্থাৎ পরিবহনের সময় তা যেন খাদ্যদ্রব্য ও পশুখাদ্যের সংস্পর্শে না আসে।

**রাসায়নিক মিশ্রণ:**

| | |
|---|---|
| সাইমোক্সানিল (আধারিত) | 8.00% ও/ও |
| ম্যানকোজেব (আধারিত) | 64.00% ও/ও |
| ডিসপার্সিং এজেন্ট: সোডিয়াম লিগনোসালফোনেট | 6.90% ও/ও |
| সিক্তকারী এজেন্ট: সোডিয়াম ডোডেসাইল বেনজিন সালফোনেট | 1.40% ও/ও |
| সিক্তকারী এজেন্ট - অ্যালকাইলেটেড ন্যাপথালিন সালফোনেট | 1.10% ও/ও |
| দ্রাবক - জিংক সালফেট, মনোহাইড্রেট | 3.00% ও/ও |
| স্ট্যাবিলাইজার - হেক্সামিথাইলিন ট্রেট্রামাইন | 1.70% ও/ও |
| দ্রাবক - শর্করা - সুক্রোজ | প্রস্তুতের জন্য % ও/ও |
| **মোট:** | **100.00% ও/ও** |

**সতর্কতা: এই প্রচারপত্রে নির্দিষ্ট করা না থাকলে ফসলে ব্যবহার করা যাবে না।**

**প্রস্তুতকারক : এনএসিএল ইন্ডাস্ট্রিজ লিমিটেড**

প্লট নং১২-এ, "সি"-ব্লক, লক্ষ্মী টাওয়ার্স, নাগার্জুন হিল্‌স, পুঞ্জাগুট্টা,
হায়দরাবাদ-৫০০ ০৮২, তেলেঙ্গানা, ভারত
**কারখানা :** ইথালকোটা - ৫৩৩২৩৮, গ্রাহক পরিচর্যা সেল - এগজিকিউটিভ

## ਸਾਇਮੋਕਸਾਇਨਲ 8% + ਮੈਂਕੋਜ਼ੇਬ 64% ਡਬਲਯੂਪੀ

# ਫੌਂਟ

### (ਅੰਤਰਪ੍ਰਵਾਰੀ ਅਤੇ ਸਪਰਸ਼ੀ ਉੱਲੀਨਾਸ਼ਕ)

ਸਾਇਮੋਕਸਾਇਨਲ 8%+ਮੈਂਕੋਜ਼ੇਬ 64% ਡਬਲਯੂਪੀ ਅੰਗੂਰ ਅਤੇ ਖੀਰੇ ਦੀ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਹੋਣ ਵਾਲੀ ਲੂੰਦਾਰ ਉੱਲੀ, ਆਲੂ ਅਤੇ ਟਮਾਟਰ ਵਿੱਚ ਪਛੇਤੀ ਝੁਲਸਾ ਤੇ ਅਸਰਦਾਰ ਨਿਯੰਤਰਣ ਲਈ ਅੰਤਰਪ੍ਰਵਾਰੀ ਅਤੇ ਸਪਰਸ਼ੀ ਉੱਲੀਨਾਸ਼ਕ ਹੈ।

**ਸੁਝਾਵ :**

| ਫ਼ਸਲ | ਬੀਮਾਰੀ | ਮਾਤਰਾ/ਹੇਕਟੇਅਰ | | ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਘੋਲ (ਲਿਟਰ) | ਅੰਤਿਮ ਛਿੜਕਾਅ ਅਤੇ ਵਾਢੀ ਵਿਚ ਕਾਰ ਵਕਫ਼ਾ (ਦਿਨ) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ਸ.ਥ. (ਗ੍ਰਾ) | ਸੰਰਚਨਾ (ਗ੍ਰਾ) | | |
| ਅੰਗੂਰ | ਲੂੰਦਾਰ ਉੱਲੀ | 1440 | 2000 | 500 | 10 |
| ਆਲੂ | ਪਛੇਤੀ ਅੰਗਮਾਰੀ | 1080 | 1500 | 500 | 10 |
| ਖੀਰਾ | ਲੂੰਦਾਰ ਉੱਲੀ | 1080 | 1500 | 500–600 | 10 |
| ਟਮਾਟਰ | ਪਛੇਤੀ ਅੰਗਮਾਰੀ | 1080 | 1500 | 500 | 10 |

**ਇਸਤੇਮਾਲ ਲਈ ਨਿਰਦੇਸ਼ :**

ਪੌਦਾ ਸੁਰੱਖਿਆ ਯੰਤਰ : ਉੱਚ ਆਯਿਤਨ ਛਿੜਕਾਅ ਯੰਤਰਾਂ ਜਿਵੇ ਕਿ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ, ਰਾਕਿੰਗ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਆਦਿ ਰਾਹੀਂ ਪੱਤਿਆਂ ਤੇ ਛਿੜਕਾਅ ਦੁਆਰਾ, ਉੱਪਰ ਦੱਸੇ ਤਰਿਕੇ ਨਾਲ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕਰੋ। 1. ਇਸਤੇਮਾਲ ਦੇ ਤੁਰੰਤ ਬਾਦ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਬਹਾ ਦਿਓ। 2. ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋਲਓ ਅਤੇ ਹੋਜ਼ੇਜ਼, ਬੂਮ ਅਤੇ ਨੋਜ਼ਲਸ ਨੂੰ ਸਾਫ਼ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋਲਓ। 3. ਦਿੱਸਣ ਵਾਲੀਆਂ ਪਰਤਾਂ ਨੂੰ ਖੁਰਚ ਕੇ ਨਿਕਾਲ ਦਿਓ। 4. ਪੂਰੀ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਨੂੰ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋਲਓ। 5. ਖੂਹ, ਪਾਣੀ ਦੇ ਸ੍ਰੋਤਾਂ ਦੇ ਕੋਲ ਸਾਫ਼ ਨਾ ਕਰੋ।

**ਅਨੁਕੂਲਤਾ:**

ਸਾਇਮੋਕਸਾਇਨਲ 8%+ਮੈਂਕੋਜ਼ੇਬ 64% ਡਬਲਯੂਪੀ ਨੂੰ ਆਮ ਵਰਤੋਂ ਵਾਲੇ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਅਤੇ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕਾਂ ਨਾਲ ਮਿਲਾਇਆ ਜਾ ਸਕਦਾ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਖਾਰੇ ਉਤਪਾਦਾਂ ਨਾਲ ਨਾ ਮਿਲਾਓ। ਖੀਰੇ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿਚ ਅਸੀਂ ਦੂਜੇ ਆਮ ਵਰਤੋਂ ਵਾਲੇ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕਾਂ ਅਤੇ ਖਾਦਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਟੈਂਕ ਮਿਸ਼੍ਰਣ ਦੀ ਸਿਫ਼ਾਰਿਸ਼ ਨਹੀਂ ਕਰਦੇ।

**ਵਰਤਣ ਦਾ ਸਮਾਂ :**

ਸਾਇਮੋਕਸਾਇਨਲ 8%+ਮੈਂਕੋਜ਼ੇਬ 64% ਦਾ ਡਬਲਯੂਪੀ ਮੌਸਮੀ ਹਾਲਾਤ ਅਤੇ ਬੀਮਾਰੀ ਦੀ ਤੀਵਰਤਾ ਅਨੁਸਾਰ 10–14 ਦਿਨ ਦੇ ਵਕਫ਼ੇ ਤੇ ਨਿਰੋਧੀ ਛਿੜਕਾਅ ਕਰੋ।

**ਸਾਵਧਾਨੀ ਆਂ :**

1. ਲੇਬਲ ਅਤੇ ਪਰਚੇ ਤੇ ਦਿੱਤੇ ਨਿਰਦੇਸ਼ਾਂ ਨੂੰ ਧਿਆਨ ਨਾਲ ਪੜ੍ਹੋ ਅਤੇ ਉਨ੍ਹਾਂ ਤੇ ਅਮਲ ਕਰੋ। ਲੇਬਲ ਸਹਿਤ ਡੱਬਾ ਸੰਭਾਲ ਕੇ ਰੱਖੋ ਤਾਂ ਜੋ ਅਚਾਨਕ ਜ਼ਹਿਰ ਚੜ੍ਹਣ ਦੀ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਵਿਖਾ ਸਕੋ। 2. ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਨੂੰ ਸੁੰਘੋ ਨਹੀਂ। ਛਿੜਕਾਅ ਕਰਦੇ ਸਮੇਂ ਰਬੜ ਦੇ ਦਸਤਾਨੇ, ਗੌਗਲਸ, ਮੁਖੌਟਾ ਅਤੇ ਸੁਰੱਖਿਆਤਮਕ ਕਪੜੇ ਪਹਿਨੇ। ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਫੁਹਾਰ ਤੋਂ ਬਚਾਨ ਲਈ, ਇਸ ਦਾ ਛਿੜਕਾਅ ਹਵਾ ਦੀ ਦਿਸ਼ਾ ਵਿਚ ਹੀ ਕਰੋ। 3. ਛਿੜਕਾਅ ਦੌਰਾਨ, ਖਾਣ, ਪੀਣ, ਧੂਮਰਪਾਨ ਜਾ ਪਾਨ ਚਬਾਉਣ ਤੋਂ ਪਰਹੇਜ਼ ਕਰੋ। 4. ਜੇ ਤੇਜ਼ ਹਵਾ ਚੱਲ ਰਹੀ ਹੋਏ ਤਾਂ ਛਿੜਕਾਵ ਨਾ ਕਰੋ। ਅਤੇ ਫੁਹਾਰ ਤੋਂ ਬਚੋ। 5. ਛਿੜਕਾਅ ਟੰਕੀ ਨੂੰ 3/4 ਤੋਂ ਵੱਧ ਨਾ ਭਰੋ। ਬੰਦ ਨੋਜ਼ਲ ਨੂੰ ਫੂਕ ਮਾਰ ਕੇ ਨਹੀਂ ਸਗੋਂ ਬਾਰੀਕ ਤਾਰ ਜਾਂ ਪਿਨ ਨਾਲ ਸਾਫ਼ ਕਰੋ। 6. ਸ਼ਰੀਰ ਤੇ ਛਿੱਟੇ ਪੈ ਜਾਣ ਤਾਂ ਚੋਖੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋ ਲਓ। 7. ਨਿਜੀ ਸੁਰੱਖਿਆਤਮਕ ਵਰਤਕਾਂ ਨੂੰ ਵੱਖ ਰੱਖੋ ਅਤੇ ਘਰੇਲੂ ਵਰਤੋਂ ਦੇ ਕਪੜਿਆਂ ਤੋਂ ਅੱਡ ਧੋਵੋ। 8. ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਛਿੜਕਾਅ ਮਗਰੋਂ ਤੁਰੰਤ ਕਪੜੇ ਬਦਲੋ ਅਤੇ ਨਹਾ ਲਓ। 9. ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਛਿੜਕਾਅ ਕਾਰਣ ਜ਼ਹਿਰ ਚੜ੍ਹਣ ਦੇ ਲੱਛਣ ਨਜ਼ਰ ਆਉਂਦੇ ਹੀ ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਤੁਰੰਤ ਸੱਦੋ।

**ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਅਸਰ ਦੇ ਲੱਛਨ :**

1. ਪਦਾਰਥ ਅੰਦਰ ਜਾਉਣ ਤੇ ਚੱਕਰ, ਭਰਮ, ਤਾਲਮੇਲ ਵਿੱਚ ਕਮੀ, ਸੁਸਤੀ ਜਾਂ ਅਚੇਤਨਤਾ ਅਤੇ ਵਜਨ ਵਿੱਚ ਕਮੀ ਦੇ ਨਾਲ ਕੇਂਦਰੀ ਤੰਤੂ ਪ੍ਰਣਾਲੀ ਵਿੱਚ ਅਸਥਾਈ ਤਣਾਅ ਪੈਦਾ ਕਰ ਸੱਕਦਾ ਹੈ। 2. ਸਾਹ ਦੁਆਰਾ ਅੰਦਰ ਚਲੇ ਜਾਣ ਜਾਂ ਅੱਖਾਂ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਹੋਣ ਤੇ ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਅੱਥਰੂ ਹੋਣ ਦੇ ਕਾਰਣ ਵੇਖਣ ਵਿੱਚ ਤਕਲੀਫ਼ ਜਾਂ ਧੁੰਧਲੀ ਨਜਰ, ਨਿੱਛਾਂ ਦੇ ਨਾਲ ਨੱਕ ਅਤੇ ਗਲੇ ਵਿੱਚ ਜਲਨ, ਖਰਾਬ ਗਲੇ ਜਾਂ ਵਗਦੀ ਨੱਕ ਜਾਂ ਤਾਲਮੇਲ ਨਾ ਹੋਣ ਵਰਗੀਆਂ ਸਮੱਸਿਆਵਾਂ ਹੋਸੱਕਦੀਆਂ ਹਨ। 3. ਤ੍ਵਚਾ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਹੋਣ ਤੇ ਖਾਜ, ਜਲਨ, ਲਾਲੀ, ਸੋਜ, ਤਕਲੀਫ਼ ਜਾਂ ਫਿੰਸੀਆਂ ਦੇ ਨਾਲ ਖੁਜਲੀ ਹੋਸੱਕਦੀ ਹੈ।

**ਪ੍ਰਾਥਮਿਕ ਉਪਚਾਰ :**

1. ਅੱਖਾਂ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਹੋਣ ਤੇ, ਘੱਟ ਤੋਂ ਘੱਟ 15 ਮਿੰਟਾਂ ਲਈ ਅੱਖਾਂ ਨੂੰ ਢੇਰ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਵੋ। ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ। 2. ਸਾਹ ਨਾਲ ਅੰਦਰ ਚਲੇ ਜਾਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ, ਮਰੀਜ ਨੂੰ ਤਾਜੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ। ਸਾਹ ਨਾ ਲੈ ਪਾਉਣ ਤੇ ਉੱਪਰੀ ਸਾਹ ਦਿਓ। ਸਾਹ ਲੈਣ ਵਿੱਚ ਤਕਲੀਫ਼ ਹੋਵੇ ਤਾਂ ਆੱਕਸੀਜਨ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ। 3. ਨਿਗਲ ਲੀਤੇ ਜਾਣ ਤੇ, ਤੁਰੰਤ 1 ਤੋਂ 2 ਗ਼ਲਾਸ ਪਾਣੀ ਦਿਓ ਅਤੇ ਉਲਟੀ ਕਰਵਾਓ। ਕਿਸੇ ਅਚੇਤ (ਬੇਹੋਸ਼) ਵਿਅਕਤੀ ਨੂੰ ਕੁਝ ਵੀ ਮੂੰਹ ਦੇ ਰਸਤੇ ਨਾ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ। 4. ਤ੍ਵਚਾ ਨਾਲ ਸੰਪਰਕ ਹੋਣ ਤੇ, ਢੇਰ ਸਾਰੇ ਸਾਬਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋਵੋ। ਦੁਬਾਰਾ ਇਸਤੇਮਾਲ ਕਰਨ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਗੰਦੇ ਕਪੜੇ ਧੋਲਓ।

**ਬਨਾਸਪਤੀ ਵਿਸ਼ੈਲਤਾ :**

ਸਾਇਮੋਕਸਾਇਨਲ 8%+ਮੈਂਕੋਜ਼ੇਬ 64% ਡਬਲਯੂਪੀ ਨਿਰਦੇਸ਼ ਅਨੁਸਾਰ ਪ੍ਰਯੋਗ ਕਰਨ ਤੇ ਬਨਾਸਪਤੀ ਲਈ ਵਿਸ਼ੈਲਾ ਨਹੀਂ।

**ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ :**

ਕੋਈ ਖਾਸ ਵਿਸ਼ਨਾਸ਼ਕ ਨਹੀਂ ਹੈ। ਲਛਨਾਂ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।

**ਡੱਬਿਆਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ :**

1. ਖ਼ਾਲੀ ਡੱਬੇ ਦੋਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੋਂ। 2. ਖ਼ਾਲੀ ਡੱਬੇ ਨਸ਼ਟ ਕਰ ਦਿਓ ਅਤੇ ਵੱਸੋਂ ਤੋਂ ਦੂਰ, ਮਿੱਟੀ ਵਿਚ 1/2 ਮੀਟਰ ਡੂੰਘੇ ਗੱਡ ਦਿਓ। 3. ਬਚਿਆ ਘੋਲ ਜਾਂ ਮਸ਼ੀਨਾਂ ਅਤੇ ਡੱਬਿਆਂ ਦੀ ਧੁਲਾਈ, ਸੁਰੱਖਿਅਤ ਢੰਗ ਨਾਲ ਕਰੋ ਤਾਂ ਜੋ ਵਾਤਾਵਰਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦੂਸ਼ਿਤ ਨਾ ਹੋਏ।

**ਭੰਡਾਰਣ :**

1. ਖਾਣ ਪੀਣ ਦੇ ਪਦਾਰਥ ਅਤੇ ਤਮਾੱਖੂ, ਅਜਿਹੀ ਥਾਂ ਨਾ ਰੱਖੋ ਜਾਂ ਵਰਤੋ, ਜਿੱਥੇ ਉਹ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਤੋਂ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਹੋ ਸਕਣ। 2. ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਨੂੰ ਅਸਲੀ ਡੱਬੇ ਵਿਚ ਕੱਸ ਕੇ ਬੰਦ ਕਰੋ ਅਤੇ ਬੱਚਿਆਂ, ਗੈਰ–ਜ਼ਿੰਮੇਦਾਰ ਵਿਅਕਤੀਆਂ ਅਤੇ ਪਾਲਤੂ ਜਾਨਵਰਾਂ ਦੀ ਪਹੁੰਚ ਤੋਂ ਦੂਰ, ਖਾਧ ਪਦਾਰਥ, ਪਸ਼ੂ ਆਹਾਰ ਅਤੇ ਦੂਜੀਆਂ ਵਸਤਾਂ ਰੱਖਣ ਦੀ ਥਾਂ ਤੋਂ ਦੂਰ, ਤਾਲਾ ਬੰਦ ਕਰਕੇ ਰੱਖੋ। 3. ਭੰਡਾਰਣ ਕਰਨ ਦੀ ਥਾਂ/ਕਮਰੇ ਪੱਕੇ ਬਣੇ, ਠੰਡੇ, ਸੁੱਕੇ, ਰੋਸ਼ਨੀ ਅਤੇ ਹਵਾਦਾਰ ਅਤੇ ਖੁਲ੍ਹੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਜੋ ਭਾਫ਼ ਨਾਲ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨਾ ਹੋਏ। 4. ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਦਾ ਪਰਿਵਹਿਣ ਇੰਜ ਕਰੋ ਕਿ ਉਹ ਖਾਦ ਪਦਾਰਥਾਂ ਅਤੇ ਪਸ਼ੂ ਆਹਾਰ ਦੇ ਸੰਪਰਕ ਵਿਚ ਨਾ ਆਏ।

**ਰਸਾਇਨਿਕ ਮਿਸ਼ਰਨ :**

| | |
|---|---|
| ਸਾਇਮੋਕਸਾਇਨਲ (ਏ.ਆਈ.) | 8.00% ਭਾਰ/ਭਾਰ |
| ਮੈਂਕੋਜ਼ੇਬ (ਏ.ਆਈ.) | 64.00% ਭਾਰ/ਭਾਰ |
| ਡਿਸਪਰਸਿੰਗ ਅਜੰਟ : ਸੋਡੀਯਮ ਲਿਗਨੋ ਸਲਫੋਨੇਟ | 6.90 % ਭਾਰ/ਭਾਰ |
| ਵੈਂਟਿੰਗ ਅਜੰਟ : ਸੋਡੀਯਮ ਡੋਡੀਸਾਇਲ ਬੇਨਜ਼ੀਨ ਸਲਫੋਨੇਟ | 1.40 % ਭਾਰ/ਭਾਰ |
| ਵੈਂਟਿੰਗ ਅਜੰਟ – ਅਲਕਾਇਲੇਟੇਡ ਨੇਪਥਲੇਨ ਸਲਫੋਨੇਟ | 1.10 % ਭਾਰ/ਭਾਰ |
| ਮੰਦਕ – ਜ਼ਿੰਕ ਸਲਫੇਟ, ਮੋਨੋਹਾਈਡ੍ਰੇਟ | 3.00 % ਭਾਰ/ਭਾਰ |
| ਸਟੈਬਿਲਾਇਜ਼ਰ – ਹੇਕਸਾਮੇਥਿਲਿਨ ਟੇਟ੍ਰਾਮਾਇਨ | 1.70 % ਭਾਰ/ਭਾਰ |
| ਮੰਦਕ – ਖੰਡ – ਸੁਕ੍ਰੋਜ਼ | ਪੂਰਾ ਕਰਨ ਲਈ ਬਾਕੀ ਹਿੱਸਾ % ਭਾਰ/ਭਾਰ |
| **ਕੁਲ :** | **100.00 % ਭਾਰ/ਭਾਰ** |

**ਸਾਵਧਾਨੀ: ਇਸ ਪਰਚੇ ਵਿੱਚ ਦਰਸਾਈਆਂ ਗਈਆਂ ਫ਼ਸਲਾਂ ਤੋਂ ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਵੀ ਹੋਰ ਫ਼ਸਲ ਵਿੱਚ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ।**

ਉਤਪਾਦਕ : **ਐਨ ਏ ਸੀ ਐਲ ਇੰਡਸਟ੍ਰੀਜ਼ ਲਿਮਿਟਡ**

**ਪਲਾੱਟ ਨੰ. 12 –ਏ, ''ਸੀ'' ਬਲਾੱਕ, ਲਕਸ਼ਮੀ ਟਾਵਰਸ,**

**ਨਾਗਾਰਜੁਨਾ ਹਿੱਲਸ, ਪੰਜਾਗੁੱਟਾ, ਹੈਦਰਾਬਾਦ 500 082, ਤੇਲੰਗਾਨਾ, ਭਾਰਤ**

**ਭਾਰਤ ਕਾਰਖਾਨਾ : ਈਥਾਕੋਟਾ – 533238, ਈਸਟ ਗੋਦਾਵਰੀ ਜਿਲਾ, ਆਂਧਰ ਪ੍ਰਦੇਸ਼.**

## ಸೈಮಾಕ್ಸಾನಿಲ್ 8% + ಮ್ಯಾನ್ಕೊಜೆಬ್ 64% ಡಬ್ಲ್ಯುಪಿ

# ಫಾಂಟ್

### (ಅಂತರ್ವ್ಯಾಪಿ ಮತ್ತು ಸಂಪರ್ಕ ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕ)

ಸೈಮಾಕ್ಸಾನಿಲ್ 8% + ಮ್ಯಾನ್ಕೊಜೆಬ್ 64% ಡಬ್ಲ್ಯುಪಿ ದ್ರಾಕ್ಷಿ ಮತ್ತು ಸೌತೆಕಾಯಿಯ ಬೂಜು ರೋಗ, ಹಾಗೂ ಆಲೂಗಡ್ಡೆ ಮತ್ತು ಟೊಮ್ಯಾಟೊ ಬೆಳೆಗೆ ತಗಲುವ ಅಂಗಮಾರಿ ರೋಗವನ್ನು ಹತ್ತಿಕ್ಕಿ ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಪರಿಣಾಮಕಾರಿಯಾದ ಹೊಟ್ಟೆಸೇರುವ ಮತ್ತು ಸಂಪರ್ಕ ಅಣಬೆನಾಶಕವಾಗಿದೆ.

**ಶಿಫಾರಸು:**

| ಬೆಳೆ | ರೋಗ | ಪ್ರಮಾಣ/ಹೆಕ್ಟೇರ್ | | ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸುವ ಪ್ರಮಾಣ (ಲೀಟರ್) | ಕೊನೆಯ ಸಿಂಪರಣೆಯ ನಂತರ, ಕಾದಿರಬೇಕಾದ ಅವಧಿ (ದಿನಗಳು) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ಏ.ಐ. (ಗ್ರಾಂ) | ಫಾರ್ಮುಲೇಷನ್ (ಗ್ರಾಂ) | | |
| ದ್ರಾಕ್ಷಿ | ಬೂಜುರೋಗ | 1440 | 2000 | 500 | 10 |
| ಆಲೂಗಡ್ಡೆ | ಅಂಗಮಾರಿರೋಗ | 1080 | 1500 | 500 | 10 |
| ಸೌತೆಕಾಯಿ | ಬೂಜುರೋಗ | 1080 | 1500 | 500–600 | 10 |
| ಟೊಮ್ಯಾಟೊ | ಅಂಗಮಾರಿರೋಗ | 1080 | 1500 | 500 | 10 |

**ಉಪಯೋಗಕ್ಕಾಗಿ ಸಲಹೆ:**

ಬಳಸಬೇಕಾದ ಸಸ್ಯ ಸಂರಕ್ಷಣಾ ಉಪಕರಣಗಳು : ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್, ರಾಕಿಂಗ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್‌ನಂತಹ, ಬಹು ಪ್ರಮಾಣದ ಸಿಂಪಡಿಕೆಯ ಸಲಕರಣೆಗಳನ್ನು ಉಪಯೋಗಿಸಿ, ಫಾಲಿಯರ್ ಸ್ಪ್ರೇಯನ್ನು ಬಳಸುವ ಸಲಹೆಗಳನ್ನು ಮೇಲೆ ನೀಡಲಾಗಿದೆ. 1. ಉಪಯೋಗಿಸಿದ ಕೂಡಲೇ ಸಲಕರಣೆಗಳನ್ನು ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಸ್ವಚ್ಛಗೊಳಿಸಿ. 2. ಸ್ಪ್ರೇಯರ್, ಹೋಸ್ ಪೈಪ್, ಬೂಮ್ ಪೈಪ್ ಮತ್ತು ನಾಜಲ್‌ಗಳನ್ನು ಸ್ವಚ್ಛ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಮೂರು ಸಲ ತೊಳೆಯಿರಿ. 3. ಸ್ಪ್ರೇಯರ್ ಅನ್ನು ಸಡಿಲಿಸಿ ಅದರಲ್ಲಿ ಉಳಿದಿರುವ ನಿಕ್ಷೇಪಗಳನ್ನು ನೀವೇ ತೆಗೆಯಿರಿ. 4. ಸಂಪೂರ್ಣ ಸಲಕರಣೆಗಳನ್ನು ಸ್ವಚ್ಛವಾದ ನೀರಿನಿಂದ ಶುಭ್ರಗೊಳಿಸಿ. 5. ಬಾವಿ ಹಾಗೂ ಜಲಮೂಲಗಳ ಸಮೀಪ ಸ್ವಚ್ಛ ಮಾಡಬೇಡಿ.

**ಹೊಂದಾಣಿಕೆ:**

ಸೈಮಾಕ್ಸಾನಿಲ್ 8% + ಮ್ಯಾನ್ಕೊಜೆಬ್ 64% ಡಬ್ಲ್ಯುಪಿ ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಬಳಸಲಾಗುವ ಎಲ್ಲಾ ಕೀಟನಾಶಕಗಳೊಂದಿಗೆ ಮತ್ತು ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕಗಳೊಂದಿಗೆ ಅನುರೂಪತೆ ಹೊಂದಿದೆ. ಇದನ್ನು ಆಲ್ಕಾಲೈನ್ ಸ್ವರೂಪ ಹೊಂದಿರುವ ಉತ್ಪನ್ನಗಳೊಂದಿಗೆ ಮಿಶ್ರಗೊಳಿಸಬೇಡಿರಿ.

**ಉಪಯೋಗಿಸುವ ಸಮಯ:**

ಸೈಮಾಕ್ಸಾನಿಲ್ 8% + ಮ್ಯಾನ್ಕೊಜೆಬ್ 64% ಡಬ್ಲ್ಯುಪಿ ಯನ್ನು ನಿವಾರಣೆಗಾಗಿ ಸಿಂಪಡಿಸಬೇಕು. ಸ್ಥಳೀಯ ಹವಾಮಾನಕ್ಕನುಗುಣವಾಗಿ ಹಾಗೂ ಅಲ್ಲಿರುವ ರೋಗದ ತೀವ್ರತೆಯನ್ನನುಸರಿಸಿ 10–14 ದಿನಗಳಿಗೊಮ್ಮೆ ಪದೇ ಪದೇ ಉಪಯೋಗಿಸುತ್ತಿರಬೇಕು.

**ಮುನ್ನೆಚ್ಚರಿಕೆಗಳು :**

1. ಲೇಬಲ್ ಹಾಗೂ ಕರಪತ್ರದ ಮೇಲೆ ನೀಡಲಾದ ಸೂಚನೆಗಳನ್ನು ಗಮನವಿಟ್ಟು ಓದಿ. ಆಕಸ್ಮಿಕ ವಿಷ ಸೇವನೆಯ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಡಾಕ್ಟರರಿಗೆ ತೋರಿಸಲು ಅನುಕೂಲವಾಗುವಂತೆ ಧಾರಕವನ್ನು ಲೇಬಲ್‌ನೊಂದಿಗೆ ಉಳಿಸಿಕೊಳ್ಳಿ. 2. ಒಳಗಿರುವ ಪದಾರ್ಥವನ್ನು ಶ್ವಾಸದೊಳಗೆ ಸೇವನೆ ಮಾಡಬೇಡಿ. ಸ್ಪ್ರೇ ಮಾಡುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ರಬ್ಬರ್ ಗ್ಲೌಸ್, ಗಾಗ್ಲ್‌ಸ್, ಮುಖಕವಚ, ರಕ್ಷಣಾ ತೊಡುಗೆಗಳನ್ನು ಧರಿಸಿರಿ. ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕವನ್ನು ಗಾಳಿ ಬೀಸುವ ದಿಕ್ಕಿನಲ್ಲೇ ಸ್ಪ್ರೇ ಮಾಡಿರಿ ಹಾಗೂ ಅದು ಅಲ್ಲೇ ನಿಲ್ಲುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿರಿ. 3. ಸಿಂಪಡಿಸುವಾಗ ತಿನ್ನುವುದು, ಕುಡಿಯುವುದು, ಹಾಗೂ ಸೇದುವುದು ಅಥವಾ ತಾಂಬೂಲ ಜಗಿಯುವುದನ್ನು ಮಾಡಬೇಡಿ. 4. ಗಾಳಿಯಲ್ಲಿ ಹಾರುವುದನ್ನು ತಡೆಗಟ್ಟಲು ಗಾಳಿ ಬೀಸುತ್ತಿದ್ದರೆ ಸಿಂಡಿಸಬೇಡಿ. 5. ಸ್ಪ್ರೇ ಟ್ಯಾಂಕನ್ನು ಅದರ ಸಾಮರ್ಥ್ಯದ 3/4ಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ತುಂಬಿಸಬೇಡಿ. ನಾಜ್‌ಲ್‌ನ ಬಾಯಿ ಕಟ್ಟಿಕೊಂಡಿದ್ದರೆ ಅದನ್ನು ತೆಳುವಾದ ವೈರ್ ಅಥವಾ ಪಿನ್ನಿನಿಂದ ಸ್ವಚ್ಛಗೊಳಿಸಿ. ಎಂದೂ ಅದನ್ನು ಊದಬೇಡಿ. 6. ಮೈಮೇಲೆ ಬಿದ್ದರೆ ಯಥೇಚ್ಛವಾದ ನೀರಿನಿಂದ ತೊಳೆಯಿರಿ. 7. ರಕ್ಷಣಾ ತೊಡುಗಗಳನ್ನು ಮತ್ತು ಉಪಕರಣಗಳನ್ನು ಬೇರೆ ಒಗೆಯುವ ಬಟ್ಟೆಗಳಿಂದ ಬೇರೆಯಾಗಿ ಇರಿಸಿ ಸ್ವಚ್ಛಗೊಳಿಸಿ. 8. ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕವನ್ನು ಸಿಂಪಡಿಸಿದ ತಕ್ಷಣ ಸ್ನಾನ ಮಾಡಿ ಬಟ್ಟೆ ಬದಲಾಯಿಸಿ. 9. ಸಿಂಪಡಿಸುವ ವ್ಯಕ್ತಿಯಲ್ಲಿ ಯಾವುದೇ ರೀತಿಯ ವಿಷಪ್ರಭಾವದ ಲಕ್ಷಣ ಕಂಡುಬಂದಲ್ಲಿ ತಕ್ಷಣವೇ ಡಾಕ್ಟರರನ್ನು ಕರೆಯಿರಿ.

**ವಿಷಪ್ರಭಾವದ ಲಕ್ಷಣಗಳು :**

1. ಈ ಪದಾರ್ಥದ ಸೇವನೆಯಿಂದ ತಾತ್ಕಾಲಿಕವಾದ ತಲೆತಿರುಗುವಿಕೆ, ಗೊಂದಲ, ಅಸ್ಥಿಮಿತತೆ, ಮಂಪರು, ಮೂರ್ಛೆ ಹಾಗೂ ತೂಕ ಕಳದುಕೊಳ್ಳುವಿಕೆಯೊಂದಿಗೆ ಕೂಡಿದ ಕೇಂದ್ರ ನರಮಂಡಲದ ಡಿಪ್ರೆಷನ್ ಉಂಟಾಗುತ್ತದೆ. 2. ಉಸಿರಿನೊಂದಿಗೆ ಒಳಸೇರಿದ್ದರೆ ಅಥವಾ ಕಣ್ಣಿನೊಳಗೆ ಹೋದರೆ ಕಣ್ಣಿನಲ್ಲಿ ಕಿರಿಕಿರಿಯೊಂದಿಗೆ ಗಾಬರಿ, ಕಣ್ಣೀರು ಸುರಿಯುವುದು, ನೋವು, ಅಥವಾ ದೃಷ್ಟಿ ಮಾಂದ್ಯತೆ, ಮೂಗು ಮತ್ತು ಗಂಟಲಿನಲ್ಲಿ ಕಿರಿಕಿರಿ, ಸೀನುವಿಕೆ, ಗಂಟಲು ಕರೆತ, ನಗಡಿ, ಅಸ್ಥಿಮಿತತೆ ಉಂಟಾಗುತ್ತದೆ. 3. ತ್ವಚಗೆ ತಗುಲಿದ್ದರೆ, ತುರಿಕೆಯೊಂದಿಗೆ ಕಿರಿಕಿರಿ, ಉರಿತ, ಕೆಂಪಾಗುವಿಕೆ, ಅಸ್ವಸ್ಥತೆ ಅಥವಾ ಗೆಳ್ಳೆಗಳು ಉಂಟಾಗುತ್ತವೆ.

**ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ಸೆ :**

1. ಕಣ್ಣಿನೊಳಗೆ ಹೋಗಿದ್ದಲ್ಲಿ ತಕ್ಷಣ ಸಾಕಷ್ಟು ನೀರಿನಿಂದ ಕನಿಷ್ಠ ಪಕ್ಷ 15 ನಿಮಿಷಗಳವರೆಗೆ ಚೆನ್ನಾಗಿ ತೊಳೆಯಿರಿ. ಡಾಕ್ಟರರನ್ನು ಕರೆಯಿರಿ. 2. ಶ್ವಾಸದೊಳಗೆ ಹೋಗಿದ್ದರೆ, ಶುದ್ಧ ಗಾಳಿಗೆ ಕರೆತನ್ನಿ. ಉಸಿರಾಡದಿದ್ದರೆ ಕೃತಕವಾಗಿ ಉಸಿರಾಟ ಮಾಡಿಸಿ. ಉಸಿರಾಟಲು ಕಷ್ಟಪಡುತ್ತಿದ್ದರೆ ಆಕ್ಸಿಜನ್ ನೀಡಿ. ಡಾಕ್ಟರರನ್ನು ಕರೆತನ್ನಿ. 3. ನುಂಗಿದ್ದರೆ, ತಕ್ಷಣ 1 ಅಥವಾ 2 ಗ್ಲಾಸ್‌ಗಳಷ್ಟು ನೀರನ್ನು ಕುಡಿಸಿ ಹಾಗೂ ವಾಂತಿ ಮಾಡಿಸಿ. ಯಾವುದೇ ಸಂದರ್ಭದಲ್ಲಿ ಮೂರ್ಛೆ ಹೊಂದಿದ ವ್ಯಕ್ತಿಗೆ ಬಾಯಿಯ ಮೂಲಕ ಏನನ್ನೂ ಕೊಡಬೇಡಿ. ಡಾಕ್ಟರರನ್ನು ಕರೆಯಿರಿ. 4. ತ್ವಚೆಯ ಸಂಪರ್ಕ ಹೊಂದಿದ್ದಲ್ಲಿ ಸಾಕಷ್ಟು ಸಾಬೂನು ಹಾಗೂ ನೀರಿನಿಂದ ತೊಳೆಯಿರಿ. ಮಲಿನ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ಮರುಬಳಸುವ ಮುಂಚೆ ಶುದ್ಧಗೊಳಿಸಿರಿ.

**ಸಸ್ಯಗಳಿಗೆ ವಿಷಕಾರಿ:**

ಸಲಹಯಂತೆ ಉಪಯೋಗಿಸಿದರೆ ಸೈಮಾಕ್ಸಾನಿಲ್ 8% + ಮ್ಯಾನ್ಕೊಜೆಬ್ 64% ಡಬ್ಲ್ಯುಪಿ ಸಸ್ಯಗಳಿಗೆ ಯಾವ ರೀತಿಯಲ್ಲೂ ವಿಷಕಾರಿ ಆಗಿರುವುದಿಲ್ಲ.

**ವಿಷಹಾರಿ:**

ನಿರ್ದಿಷ್ಟವಾದ ಯಾವುದೇ ಚಿಕಿತ್ಸೆಯಿಲ್ಲ. ಲಕ್ಷಣಗಳಿಗೆ ತಕ್ಕಂತೆ ಕ್ರಮಬದ್ಧ ಚಿಕಿತ್ಸೆ ನೀಡಿ.

**ಖಾಲಿಯಾದ ಕಂಟೇನರ್‌ಗಳ ವಿಸರ್ಜನೆ :** 1. ಖಾಲಿ ಕಂಟೇನರ್‌ಗಳನ್ನು ಪುನಃ ಬಳಸಬಾರದು. 2. ಬಳಸಿದ ಕಂಟೇನರ್‌ಗಳನ್ನು ಧ್ವಂಸ ಮಾಡಿ ವಾಸಸ್ಥಳದಿಂದ ದೂರವಾಗಿ 1/2 ಮೀಟರ್ ಆಳವಾಗಿ ಹೂತಿಡಿ. 3. ಪರಿಸರ ಹಾಗೂ ಜಲ ಮಾಲಿನ್ಯವಾಗದಂತೆ ಸುರಕ್ಷಿತ ವಿಧಾನದಿಂದ ಉಳಿದ ಸ್ಪ್ರೇ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ಹಾಗೂ ಸ್ಪ್ರೇ ಯಂತ್ರಗಳನ್ನು ತೊಳೆದ ನೀರನ್ನು ವಿಸರ್ಜಿಸಿ.

**ಸಂಗ್ರಹಣೆ :**

1. ಆಹಾರ, ಪಾನೀಯ ಮತ್ತು ತಂಬಾಕು ಇವುಗಳು ಈ ಪದಾರ್ಥಗಳ ಜೊತೆಗೆ ಕಲುಷಿತವಾಗುವುದನ್ನು ತಡೆಯಲು, ಇದರೊಂದಿಗೆ ದಾಸ್ತಾನು ಮಾಡುವುದಾಗಲೀ ಅಥವಾ ತಿನ್ನುವುದಾಗಲೀ ಮಾಡಬೇಡಿ. 2. ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕದ ಮೂಲ ಪ್ಯಾಕ್‌ಗಳನ್ನು ಭದ್ರವಾಗಿ ಮುಚ್ಚಿ, ಮಕ್ಕಳಿಂದ, ಬೇಜವಾಬ್ದಾರಿ ಮನುಷ್ಯರಿಂದ ಹಾಗೂ ಜಾನುವಾರುಗಳಿಂದ ದೂರವಾಗಿ, ಆಹಾರ ಪದಾರ್ಥ, ಮೇವು ಹಾಗೂ ಇತರ ಪದಾರ್ಥಗಳಿಂದ ದೂರವಾಗಿ ಬೇರೆ ಕೋಣೆಯಲ್ಲಿ ಬೀಗ ಹಾಕಿಡಿ. 3. ಸಂಗ್ರಹ ಮಾಡುವ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡವು ಉತ್ತಮವಾಗಿ ನಿರ್ಮಿಸಲ್ಪಟ್ಟಿದ್ದು, ಉತ್ತಮವಾಗಿ ಬೆಳಕಿದ್ದು ತಂಪಾಗಿ ಹಾಗೂ ಶುಷ್ಕವಾಗಿರಬೇಕು. ಸ್ಥಳಾವಕಾಶ ಸಾಕಷ್ಟಿದ್ದು ತೇವದೊಂದಿಗೆ ಸಂಪರ್ಕ ಹೊಂದದಂತಿರಬೇಕು. 4. ಶಿಲೀಂಧ್ರನಾಶಕವನ್ನು ಸಾಗಿಸುವಾಗ ಅದು ಆಹಾರ ಹಾಗೂ ಮೇವಿನೊಂದಿಗೆ ಸಂಪರ್ಕ ಹೊಂದದಂತೆ ಎಚ್ಚರಿಕೆ ವಹಿಸಬೇಕು.

**ರಾಸಾಯನಿಕ ಸಂಯೋಜನೆ :**

| | |
|---|---|
| ಸೈಮಾಕ್ಸಾನಿಲ್ ಟೆಕ್ನಿಕಲ್ (ಏ.ಐ.) | 8.00% ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು |
| ಮ್ಯಾನ್ಕೊಜೆಬ್ (ಏ.ಐ.) | 64.00% ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು |
| ಡಿಸ್ಪರ್ಸಿಂಗ್ ಏಜೆಂಟ್ : ಸೋಡಿಯಂ ಲಿಗ್ನೋಸಲ್ಫೋನೇಟ್ | 6.90% ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು |
| ವೆಟಿಂಗ್ ಏಜೆಂಟ್ : ಸೋಡಿಯಂ ಡೊಡೆಸಿಲ್ ಬೆನ್‌ಜೀನ್ ಸಲ್ಫೋನೇಟ್। | 1.40% ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು |
| ವೆಟಿಂಗ್ ಏಜೆಂಟ್ : ಆಲ್ಕೈಲೇಟೆಡ್ ನ್ಯಾಫ್ತಲೀನ್ ಸಲ್ಫೋನೇಟ್। | 1.10% ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು |
| ಡೈಲ್ಯೂವಂಟ್ – ಜಿಂಕ್ ಸಲ್ಫೇಟ್, ಮೋನೊಹೈಡ್ರೇಟ್ | 3.00% ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು |
| ಸ್ಟೆಬಿಲೈಜರ್ – ಹೆಕ್ಸಾಮೆಥಿಲೀನ್ ಟೆಟ್ರಾಅಮೈನ್ | 1.70% ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು |
| ಡೈಲ್ಯೂವಂಟ್ – ಸಕ್ಕರ, ಸುಕ್ರೋಸ್ | ಕ್ಯೂ.ಎಸ್. ತಯಾರಿಸು % ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು |
| ಒಟ್ಟು | **100.00% ಡಬ್ಲ್ಯು/ಡಬ್ಲ್ಯು** |

**ಜಾಗ್ರತೆ: ಈ ವಿವರಣಾ ಪತ್ರದಲ್ಲಿ ನಿರ್ದಿಷ್ಟವಾಗಿ ಹೇಳಲಾದ ಬೆಳೆಗಳನ್ನು ಹೊರತುಪಡಿಸಿ ಇತರ ಬೆಳೆಗಳಿಗೆ ಬಳಸಬಾರದು.**

ಉತ್ಪಾದಕರು : **ಎನ್‌ಎಸಿಎಲ್ ಇಂಡಸ್ಟ್ರೀಸ್ ಲಿಮಿಟೆಡ್**

ಪ್ಲಾಟ್ ನಂ.12–ಎ, ''ಸಿ'' ಬ್ಲಾಕ್, ಲಕ್ಷ್ಮೀ ಟವರ್ಸ್, ನಾಗಾರ್ಜುನ ಹಿಲ್ಸ್, ಪಂಜಗುಟ್ಟ, ಹೈದಾರಾಬಾದ್ -500 082, ತೆಲಂಗಾಣ, ಭಾರತ

**ಫ್ಯಾಕ್ಟರಿ :** ಈಥಕೋಟ - 533 238, ಈಸ್ಟ್ ಗೋದಾವರಿ ಜಿಲ್ಲೆ, ಆಂಧ್ರಪ್ರದೇಶ, ಭಾರತ.

## சைமாக்ஸானில் 8% + மேன்கோஸெப் 64% டபிள்யூபி

# ஃபாண்ட்

### (ஊடுருவி மற்றும் தொடுநஞ்சாக செய ல்படும் பூஞ்சாணக்கொல்லி)

சைமாக்ஸானில் 8% + மேன்கோஸெப் 64% டபிள்யூபி கொடி முந்திரி மற்றும் வெள்ளரிக்காயில் ஏற்படும் டௌனி மைல்ட்யு நோய்கள், உருளைக் கிழங்கு மற்றும் தக்காளிப் பயிர்களை பாதிக்கும் லேட் ப்ளைட் நோய்கள் ஆகியவற்றை சிறப்பாக கட்டுப்படுத்தும் திறன் மிக்க மற்றும் தொடர்பு பூஞ்சைக் காளான கொல்லி ஆகும்.

**பரிந்துரைகள் :**

| பயிர் | நோய் | அளவு/ஹெக்டேர் | | நீரில் கரைத்தல் (லிட்டர்) | கடைசி தெளிப்பிலிருந்து அறுவடை வரை காத்திருக்கும் காலம் (நாட்கள்) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | மூலப் பொருள் (கி.) | மருந்தின் அளவு(கி.) | | |
| திராட்சை | அடிச்சாம்பல் நோய் | 1440 | 2000 | 500 | 10 |
| உருளைக்கிழங்கு | பின்கருகல் நோய் | 1080 | 1500 | 500 | 10 |
| வெள்ளரிக்காய் | அடிச்சாம்பல் நோய் | 1080 | 1500 | 500-600 | 10 |
| தக்காளி | பின்கருகல் நோய் | 1080 | 1500 | 500 | 10 |

**உபயோகிப்பதற்கான விதிமுறை :** உபயோகிக்கப்பட வேண்டிய தெளிப்பான்: நேப்ஸாக் ஸ்ப்ரேயர் (தெளிப்பான்), ராக்கிங் ஸ்ப்ரேயர் போன்ற உயர் அளவு தெளிக்கும் தெளிப்பானை இலை மீது தெளிப்பதற்காக பயன்படுத்தவும். 1. சாதனத்தை உபயோகித்தவுடன் முற்றிலும் மருந்தின்றி துப்பரவு செய்யவும். 2. ஸ்ப்ரேயர், ஹோஸ் (குழாய்), பூம் மற்றும் மூக்குகளை, சுத்தமான நீர் பாய்ச்சி மூன்றுமுறை அலசி சுத்தம் செய்யவும். 3. தளர்த்தி, கண்ணுக்குத் தெரியும் படிவுகளை கையால் அகற்றவும். 4. முழு சாதனத்தையும் சுத்தத் தண்ணீர் விட்டு கழுவவும். 5. கிணறுகள் அல்லது நீர் வழிகளுக்கு பக்கத்தில் சுத்தம் செய்யாதீர்கள்.

**ஒத்துப்போகும் தன்மை :**

சைமாக்ஸானில் 8% + மேன்கோஸெப் 64% டபிள்யூபி பொதவாக பயன்படுத்தப்படும் பூச்சிக்கொல்லி மற்றும் பூஞ்சைக் காளான் கொல்லி மருந்துகளுடன் ஒத்துப்போகும் தன்மை கொண்டது. அல்கலைன் குணம் கொண்ட பொருட்களுடன் சேர்க்காதீர்கள்.

**தெளிப்பதற்க்கான நேரம் :**

சைமாக்ஸானில் 8% + மேன்கோஸெப் 64% டபிள்யூபி தடுப்பு முறையில் பயன்படுத்தப்பட வெண்டும். 10-14 நாட்கள் இடை வெளியில், அப்போத காணும் பருவ நிலைமைகளையும் நோயின் அழுத்தத்தையும் பொறுத்து திரும்பத்திரும்ப பயன் படுத்த வேண்டும்.

**முன் எச்சரிக்கைகள் :**

1. லேபிளிலும், துண்டுப் பிரசுரத்திலும் கொடுக்கப்பட்டிருக்கும் எல்லா வழிமுறைகளையும் படித்து, பின்பற்றவும். டப்பாவை லேபிளுடன் பாதுகாத்து வைக்கவும். தற்செயலாக நச்சுப்பட்டு விட்டால் மருத்துவரிடம் அதைக் காட்டலாம். 2. மருந்தை மூச்சில் குழுக்காதீர்கள். கையாளும் போது ரப்பர் கையுறைகள், மூக்குக் கண்ணாடி முகமூடி மற்றும் பாதுகாப்பு உடைகளை அணியவும். பூஞ்சாணக்கொல்லியை காற்று வீசும் திசையில் தெளித்து, அது செல்லும் திசையில் நிற்பதை தவிர்க்கவும். 3. தெளிக்கும்போது, சாப்பிடவோ, பருகவோ, புகைக்கவோ வெற்றிலை மெல்லவோ செய்யாதீர்கள். 4. தெளிக்கும் போது, மருந்து செல்லும் போக்கில் கவனமாக இருங்கள். காற்று வீசும் நிலைமை இருந்தால் தெளிக்காதீர்கள். 5. தெளிப்பு டேங்கை அதன் கொள்திறனுக்கு 3/4 பகுதிக்குமேல் நிரப்பாதீர்கள். தெளிப்பானின் மூக்கில் அடைப்பு ஏற்பட்டால் மெல்லிய கம்பியால் அல்லது ஊசியால் சுத்தம் செய்யுங்கள். ஒருபோதும் வாயால் ஊதி சுத்தம் செய்யாதீர்கள். 6. உடம்புமீது சிந்தினால, நிறைய தண்ணீர் விட்டு கழுவி சுத்தம் செய்யவும். 7. பாதுகாப்பு சாதனங்களை தனியாக வைத்து சுத்தம் செய்யவம். மற்ற துணிமணிகளுடன் சேர்க்காதீர்கள். 8. எப்போதும் உடையை மாற்றுங்கள். பூஞ்சாணமருந்து போடுதல் வேலை முடிந்ததும் குளிக்கவும். 9. பூஞ்சாணக்கொல்லி உபயோகிக்கும் அல்லது சமீபத்தில் உபயோகித்த ஒருவரிடம் நச்சுப்பட்டதின் அறிகுறிகள் தென்பட்டால் உடனே மருத்துவரை அழைக்கவும்.

**நச்சுப்பட்டதன் அறிகுறிகள் :**

1. பொருள் உள்ளே போயிருந்தால் மைய நரம்பு மண்டலத்தில் தாற்காலீக சோர்வு ஏற்படும். கிறுகிறுப்பு, குழப்பம், ஒருங்கிணைப்பின்மை, தூங்கிவழிதல், அல்லது நினைவிழப்பு மற்றும் எடை இழப்பு நேரும். 2.மூச்சிழுத்திருந்தால் அல்லது கண்ணில் பட்டிருந்தால் அசௌகரியத்துடன் கண் எரிச்சல், கண்ணீர் வடிதல், வலி அல்லது மங்கிய பார்வை, மூக்கு எரிச்சல், தொண்டை எரிச்சல் தும்மலுடன், தொண்டைப்புபண், மூக்கு ஒழுகல் மற்றும் ஒருங்கிணைப்பின்மை ஆகியவை ஏற்படும். 3. சருமத்தில் பட்டால் அரிப்புடன் நமைச்சல், எரியும் உணர்வு, சிவந்துபோதல், வீக்கம், அசௌகரியம் அல்லது தடிப்புகள் ஏற்படலாம்.

**முதல் உதவி :**

1. கண்ணில் பட்டால் நிறைய தண்ணீரைப் பாய்ச்சி குறைந்தது 15 நிமிடங்களுக்கு கழுவுங்கள். மருத்துவர் ஒருவரை அழையுங்கள். 2. சுவாசித்திருந்தால், நல்ல காற்றுள்ள இடத்துக்கு கொண்டு செல்லவும். மூச்சுவிட முடியாவிட்டால் செயற்கை முறையில் மூச்சுவிட செய்யவும். மூச்சுவிடுவது கஷ்டமாக இருந்தால் ஆக்ஸிஜன் கொடுங்கள். முருத்துவரை அழையுங்கள். 3. விழுங்கியிருந்தால் உடனே 1 அல்லது 2 தம்ளர் தண்ணீர் கொடுத்து வாந்தி எடுக்கச் செய்யவும் நினைவிழந்த ஒருவருக்கு வாய் மூலம் எதுவும் ஒரு போதும் கொடுக்காதீர்கள், ஒரு மருத்துவரை அழையுங்கள். 4. சருமத்தில் பட்டிருந்தால் சோப்பு போட்டு நன்கு கழுவுங்கள். மருந்து படிந்த துணிகளை நன்கு துவைத்த பிறகு மறுபடியும் பயன்படுத்தவும்.

**தாவரநச்சுத்தன்மை :**

சைமாக்ஸானில் 8% + மேன்கோஸெப் 64% டபிள்யூ.பி. பரிந்துரைப்படி உபயோகித்தால் தரவரத்தை நச்சுப்படுத்தாது.

**நச்சு முறிவு :**

குறிப்பிட்ட நச்சு முறிவு எதுவும் இல்லை. அறிகுறிக்குத் தக்கவாறு சிகிச்சையளிக்கவும்.

**டப்பாக்களை அப்புறப் படுத்துதல் :**

1. காலி டப்பாக்களை மறுபடியும் உபயோகிக்கக் கூடாது. 2. உபயோகித்தபின் காலி டப்பாக்களை அழித்துவிடவும். வசிப்பிடத்துக்கு அப்பால் 1/2 மீட்டர் ஆழத்தில் அவற்றைப் புதைத்துவிடவும் 3. தெளிப்பிற்குப் பிறகு மிஞ்சிப்போன மருத்துகளையும் யந்திரத்தையும், டப்பாக்களையும் கழிவின் மிச்சங்களையும் சுற்றுப்புறம் அல்லது நீர் மாசுபடாமல் தடுப்பதற்கு பத்ரமாக பைசல் செய்யப்பட வேண்டும்.

**சேமித்துவைக்க நிபந்தனைகள் :**

1. மருந்து மாசுபடும் இடத்தில் சேமித்துவைக்கவோ, அவ்விடத்தில் உணவு சாப்பிடவோ, எதுவும் பருகவோ, புகையிலை போடவோ செய்யாதீர்கள். 2. பூஞ்சாணக்கொல்லியை அதன் அசல் பேக்கிலேயே இறுகமூடி பாதகாத்து வைக்கவும். குழந்தைகளுக்கு கைக்கு எட்டாதபடியும், பொறுப்பற்றவர்களிடமிருந்து விலக்கியும், கால்நடைகளிலிருந்து விலக்கியும் ஒரு தனி அறையில் வைக்கவும். உளவுப் பொருள்கள், கால்நடைத் தீவனங்கள் மற்றும் இதர பொருள்கள் வைக்கும் அறையிலிருந்து தள்ளி தனி அறையில் பூட்டி வைக்கவும். 3. பாதுகாத்து வைப்பதற்க்கான அறை நன்கு கட்டப்பட்டு, குளிர்ச்சியாக, காய்ந்து, நல்ல வெளிச்சத்துடன், காற்றோட்டமுள்ளதாக இருக்க வேண்டும். நீராவியுடன் கலந்து மாசுபடுத்தாமல் அறை போதிய பரிமாணங்களுடன் இருக்க வேண்டும். 4. உணவு மற்றும் தீவனங்களுடன் சேராவண்ணம் பூஞ்சாணக்கொல்லியை இடங்களுக்கு அனுப்ப வேண்டும்.

**ரசாயன சேர்மானம் :**

| | |
|---|---|
| சைமோக்ஸானில் (ஏ.ஐ.) | 8.00% எ/எ |
| மேன்கோஸெப் (ஏ.ஐ.) | 64.00% எ/எ |
| டிஸ்பார்சிங் ஏஜன்ட்: சோடியம் லிக்னோஸல்ஃபோனேட் | 6.90% எ/எ |
| வெட்டிங் ஏஜன்ட்: சோடியம் டோடெஸில் பென்ஸீன் ஸல்ஃபோனேட் | 1.40% எ/எ |
| வெட்டிங் ஏஜன்ட்: ஆல்கிலேடட் நேப்த்லீன் ஸல்ஃபோனேட் | 1.10% எ/எ |
| டைலுவென்ட்: ஸிங்க் ஸல்ஃபேட், மோனோ ஹைட்ரேட் | 3.00% எ/எ |
| ஸ்டெபிலைசர் : ஹெக்ஸா மெத்லீன் டெட்ரா மைன் | 1.70% எ/எ |
| டைலுவென்ட்: சர்க்கரை, ஸுக்ரோஸ் | தயாரிக்க த.அ. % எ/எ |
| **மொத்தம்:** | 100.00% எ/எ |

**எச்சரிக்கை: இந்த துண்டு பிரசுரத்தில் குறிப்பிட்டு இருக்காத பயிர்கள் மீது பயன்படுத்தக் கூடாது.**

தயாரிப்பாளர்கள் : **என்ஏசிஎல் இண்டஸ்ட்ரீஸ் லிமிடெட்**

பிளாட் எண் 12-அ, 'C'-பிளாக், லக்ஷமி டவர்ஸ், நாகார்ஜுனா ஹில்ஸ், புஞ்சகுட்டா, ஹைதிராபாத் - 500 082, தெலுங்கானா, இந்தியா ஆந்திரப் பிரதேசம், இந்தியா.

**ஃபேக்டரி :** எதாகோட்டா - 533 238, ஆந்திரப் பிரதேசம், இந்தியா.

## సైమోక్సానిల్ 8% + మాంకోజెబ్ 64% డబ్ల్యుపి

# ఫాంట్

### (అంతర్వాహిక మరియు స్పర్శ శిలీంధ్రనాశని)

సైమోక్సానిల్ 8% + మాంకోజెబ్ 64% డబ్ల్యుపి అనేది అంతర్వాహిక మరియు స్పర్శ శిలీంధ్రనాశని. ద్రాక్ష మరియు కీరదోసలో బూజు తెగులు మరియు బంగాళాదుంప, టొమోటో పంటలపై ఆలస్యంగా వచ్చే ఆకుమాడు తెగులును నియంత్రించడంలో సమర్థవంతమైనది.

**సిఫారసులు:**

| పంట | తెగుళ్ళ సాధారణ పేరు | మోతాదు/హెక్టారు | | కలపవలసిన నీళ్ళు (లీటర్లు) | చివరి పిచికారికి మరియు కోతకు మధ్య వేచి వుండాల్సిన సమయం (రోజులు) |
|---|---|---|---|---|---|
| | | ఎ.ఐ. (గ్రా.) | మందు (గ్రా.) | | |
| ద్రాక్ష | బూజు తెగులు | 1440 | 2000 | 500 | 10 |
| బంగాళదుంప | ఆకుమాడు తెగులు | 1080 | 1500 | 500 | 10 |
| దోస | బూజు తెగులు | 1080 | 1500 | 500–600 | 10 |
| టొమోటో | ఆకుమాడు తెగులు | 1080 | 1500 | 500 | 10 |

**వాడేందుకు నిర్దేశనం:** పంట సంరక్షణకు వాడే పరికరం : సిఫారసు మేరకు పిచికారి చేసేటపుడు అధిక పరిమాణపు స్ప్రేయర్ అనగా న్యాప్సాక్ మరియు రాక్ స్ప్రేయర్ ను ఉపయోగించాలి. 1. వినియోగించిన తరువాత పరికరంలో మిగిలిపోయిన దాన్ని పూర్తిగా పారబోయండి. 2. స్ప్రేయర్‌ని పరిశుభ్రమైన నీటితో శుభ్రంగా కడగండి మరియు హోస్‌లు, బూమ్ మరియు నాజిల్‌ని శుభ్రం చేయండి. 3. కనిపించే పదార్దాలను లూజుచేసి, భౌతికంగా పారబోయండి. 4. సిస్టమ్ మొత్తాన్ని పరిశుభ్రమైన నీటితో కడగండి. 5. ఎప్పుడూ బావులు, నీటి వనరులకు దగ్గరగా పరిశుభ్రంచేయకండి.

**ఇతర మందులతో కలిపి వాడవచ్చా:**

సైమోక్సానిల్ 8% + మాంకోజెబ్ 64% డబ్ల్యుపి సాధారణంగా వాడే కీటకనాశనులు మరియు శిలీంధ్రనాశనులలో కలిపి వాడుకొనవచ్చును. క్షార స్వభావపు ఉత్పాదనలతో కలపకండి.

**వాడేందుకు సమయం:**

సైమోక్సానిల్ 8% + మాంకోజెబ్ 64% డబ్ల్యుపి ని నివారణ కోసం, తెగులు తీవ్రత, వాతావరణ పరిస్థితులను బట్టి 10–14 రోజుల విరామంతో పదే పదే వాడాలి.

**జాగ్రత్తలు :**

1. లేబుల్ మీద, కరపత్రంలో ఇచ్చిన సూచనలన్నింటినీ చదివి తప్పక పాటించండి. పొరపాటున ఎవరైనా ఈ మందు మింగితే, వైద్యుడికి చూపడానికి లేబుల్‌తో సహా ప్యాకేజీను భద్రంగా ఉంచండి. 2. ఇందులోని పదార్దాన్ని శ్వాస ద్వారా పీల్చకండి. మందు వాడేటప్పుడు చేతికి రబ్బరు తొడుగులు, కళ్ళజోడు, ముఖానికి తొడుగు, రక్షణనిచ్చే దుస్తులు ధరించండి. గాలి వీస్తున్నప్పుడు మందు చల్లుతున్నట్టయితే స్ప్రే చెదిరే దిశలో ఉండకండి. 3. మందు చల్లేటప్పుడు తినడం, త్రాగడం, పొగత్రాగడం, ఖిళ్ళి నమలడంలాంటివి చేయకండి. 4. చల్లే మందు ఎగిరిపోకుండా జాగ్రత్త పడండి. గాలి ఎక్కువగా ఉంటే మందు చల్లకండి. 5. స్ప్రే ట్యాంకును నాలుగింట మూడు వంతులకు మించి నింపకండి. మూసుకుపోయిన నాజిల్‌ను సన్నటి వైరు లేదా గుండు సూదితో శుభ్రం చేయండి. నోటితో ఊదకండి. 6. మందు శరీరంపై పడితే నీటితో బాగా కడగండి. 7. మందు చల్లేటప్పుడు రక్షణ కోసం వాడే సామగ్రిని, ఉపకరణాలను కడిగి ఇతర దుస్తులకు దూరంగా భద్రపరచండి. 8. మందు చల్లిన వెంటనే దుస్తులు మార్చుకుని, స్నానం చేయండి. 9. మందు వాడిన వ్యక్తిలో విషప్రభావ లక్షణాలు కనిపిస్తే వెంటనే వైద్యుడిని సంప్రదించండి.

**విషపు లక్షణాలు:**

1. మెటీరియల్‌ని మింగితే తలతిరగడం, తికమక, సమన్వయం లేకపోవడం, నిద్రమగత లేదా అపస్మారక స్థితి మరియు బరువు తగ్గడం వంటి లక్షణములు కలుగవచ్చు. ఈ లక్షణాల వల్ల కేంద్ర నాడీ వ్యవస్థ తాత్కాలికంగా పనిచేయక పోవచ్చు. 2. పీల్చడం వల్ల లేదా కంటికి తగలడం వల్ల అసౌకర్యం, కన్నీరు కారడం లేదా అస్పష్టతతోకూడిన కంటి చూపు, తుమ్ములు, గొంతు పుండు లేదా ముక్కు కారడం వలన సమన్వయంలేకపోవడంతో ముక్కు మరియు గొంతు చికాకు కలిగించవచ్చు. 3. చర్మానికి తగిలితే దురద, మండటం, ఎరుపుదనం, వాపు, అసౌకర్యం లేదా దద్దురుతో చికాకు కలిగించవచ్చు.

**ప్రాథమిక చికిత్స:**

1. ఒకవేళ కళ్ళకు తగిలితే, వెంటనే కనీసం 15 నిమిషాల సేపు ఎక్కువ నీటిని చల్లుకోండి. వైద్యుడిని సంప్రదించండి. 2. పీల్చితే, తాజా గాలి వీచే చోటుకు తీసుకెళ్ళండి, ఊపిరితీసుకోలేకపోతుంటే, కృత్రిమ శ్వాస కల్పించండి. శ్వాసతీసుకోవడం కష్టంగా ఉంటే, ఆక్సిజెన్ ఇవ్వండి. డాక్టరును పిలిపించండి. 3. మింగితే, వెంటనే 1 నుంచి 2 గ్లాసులు నీళ్ళు ఇవ్వండి మరియు వాంతులు తెప్పించండి. అపస్మారక స్థితిలో ఉన్న వ్యక్తికి ఎప్పుడూ నోటి ద్వారా ఏదీ ఇవ్వకండి. వైద్యుడిని సంప్రదించండి. 4. చర్మంపై పడితే, ఎక్కువ సబ్బు మరియు నీటితో కడగండి. మళ్ళీ ఉపయోగించడానికి ముందు మలినపడిన దుస్తులు ఉతకండి.

**మొక్కల పట్ల విషప్రభావం :**

సిఫారసుల ప్రకారం వాడితే సైమోక్సానిల్ 8% + మాంకోజెబ్ 64% డబ్ల్యుపి మొక్కలకు హాని చేయదు.

**విరుగుడు:**

నిర్దిష్టమైన విరుగుడు లేదు, లక్షణాలను బట్టి చికిత్స చేయండి.

**ప్యాకేజీల పారవేత :**

1. ఖాళీ ప్యాకేజీలను తిరిగి ఉపయోగించరాదు. 2. ఖాళీ ప్యాకేజీలను ధ్వంసం చేసి, జనావాస ప్రాంతాలకు దూరంగా 1/2 మీటరు లోతున పాతిపెట్టండి. 3. మిగిలిన స్ప్రే సామగ్రిని, యంత్రాలు కడిగిన నీటిని, ఖాళీ ప్యాకేజీలను సురక్షితమైన రీతిలో, పర్యావరణాన్ని, నీటిని కలుషితం చేయని రీతిలో పారవేయండి.

**నిల్వ చేయు పరిస్థితులు:**

1. ఈ మందు కలిసే అవకాశం ఉన్న ప్రాంతాల్లో ఆహారం, పానీయం, పొగాకు సేవించవద్దు, నిల్వ చేయవద్దు. 2. శిలీంధ్రనాశని మందును పిల్లలకు, బాధ్యతా రహితంగా వ్యవహరించేవారికి, పశువులకు దూరంగా, ఆహారాన్ని, పశువుల దాణాను, ఇతర వస్తువులను భద్రపరిచే గదులకు దూరంగా వేరేగదిలో ఒరిజినల్ ప్యాక్‌లో గట్టిగా మూసి తాళం వేసి భద్రపరచండి. 3. మందు నిల్వచేసే గది దృఢమైన నిర్మాణం కలిగి, చల్లగా, పొడిగా గాలి వెలుతురు బాగా సోకుతూ ఉండాలి. ఆవిరులు కమ్ముకోకుండా తగినంత వైశాల్యం కలిగి ఉండాలి. 4. ఆహార పదార్థాలు, పశువుల దాణాలకు తాకకుండా శిలీంధ్రనాశనిని జాగ్రత్తగా రవాణా చేయాలి.

**రసాయనిక మిశ్రమం:**

| | |
|---|---|
| సైమోక్సానిల్ (ఎ.ఐ) | 8.00% బ/బ |
| మాంకోజెబ్ (ఎ.ఐ) | 64.00% బ/బ |
| డిస్పర్సింగ్ ఏజెంట్: సోడియం లిగ్నోసల్ఫోనేట్ | 6.90% బ/బ |
| వెట్టింగ్ ఏజెంట్: సోడియం డొడిసైల్ బెంజీన్ సల్ఫోనేట్ | 1.40% బ/బ |
| వెట్టింగ్ ఏజెంట్: ఆల్కైలేటెడ్ నాఫ్తాలీన్ సల్ఫోనేట్ | 1.10% బ/బ |
| డైలూయెంట్– జింకు సల్ఫేట్, మోనోహైడ్రేట్ | 3.00% బ/బ |
| స్టెబిలైజర్– హెక్సామెథిలీన్ ట్రెట్రామైన్ | 1.70% బ/బ |
| డైలూయెంట్– చక్కెర–సుక్రోస్ | కావలసినంత % బ/బ |
| మొత్తం: | **100.00% బ/బ** |

**జాగ్రత్తలు: ఈ కరపత్రం పై వున్న పంటలు కాకుండా ఇతర పంటల మీద వాడరాదు.**

తయారు చేయువారు : **ఎన్.ఎ.సి.ఎల్. ఇండస్ట్రీస్ లిమిటెడ్**

**ప్లాట్ నం. 12–ఎ, సి బ్లాక్, లక్ష్మీటవర్స్, నాగార్జున హిల్స్, పంజాగుట్ట, హైదరాబాద్–500 082, తెలంగాణ, భారతదేశం , ఫ్యాక్టరీ: ఈతకోట–533 238, తూ.గో. జిల్లా , ఆంధ్రప్రదేశ్.**

# Font®

**Cymoxanil 8% + Mancozeb 64%WP**

**Systemic & Contact Fungicide**

सूखी और ठंडी जगह पर आग से दूर रखें।

Keep in cool, Dry place away from heat and open flame

KEEP OUT OF THE REACH OF CHILDREN.

ਬੱਚਿਆਂ ਦੀ ਪਹੁੰਚ ਤੋਂ ਦੂਰ ਰੱਖੋ

**DANGER**

खतरा ਖਤਰਾ বিপদ

धोका જોખમ ବିପଦ అపాయం

বিপদ அபாயம் ಅಪಾಯ അപായം

बच्चों की पहुँच से दूर रखिए.

పిల్లలకు దూరముగా ఉంచవలయును.

దీన్ని చల్లగా, పొడిగాఉన్న చోట వేడిమికి, మంటలకు దూరంగా నిల్వచేయాలి

READ THE ENTIRE LEAFLET BEFORE USE. FOLLOW INSTRUCTIONS CAREFULLY.

ఉపయోగించుటకు ముందు కరపత్రమును పూర్తిగా చదువండి

इस्तेमाल करने से पहले सारी पर्ची पूरी पढ़िए।

NAGARJUNA
NACL




Manufactured by :

**NACL Industries Limited**

CIN:L24219TG1986PLC016607

**Regd.Off.:** Plot No.12-A, 'C' Block, Lakshmi Towers, Nagarjuna Hills, Panjagutta, Hyderabad - 500 082, Telangana, India.

Ph: 040-24405100.

Website: www.naclind.com, E-mail:info@naclind.com

**Factory:** Ethakota-533 238, E.G. Dist., A.P.


**NACL/F/FONT/17/JUNE2020**

In case of any complaints, please contact, Consumer Care Cell-Executive, Phone **040-2335 0235,** Email: **customercare@naclind.com** **NACL Industries Limited, Regd. Off.:** Plot No.12-A, 'C' Block, Lakshmi Towers, Nagarjuna Hills, Panjagutta, Hyderabad - 500 082, Telangana, India


**Font ® is a Registered Trade Mark of NACL Industries Limited**


**EMPTY PACKAGES/CONTAINERS SHOULD BE DESTROYED AFTER USE**



**Warranty:** The Recommendation made in this literature are offered in good faith based on the results of officially approved private tests. However, no responsibility will be accepted by us for any injury or damage arising from the use of our product as we cannot exercise any control over storage, handling or application.